RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 131 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 05-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मेरा नाम सम्राट चौधरी है, बुलडोज़र बाबा नहीं : सम्राट

6 भारत की आर्थिक विकास दर ने पूरे विश्व को चौंकाया

7 'रांझे नु हीर' में कपिल का नया रोमांटिक अवतार

फर्स्ट टेक

धनबाद में भूमिगत खदानों से 'जहरीली गैस' के रिसाव की जांच के आदेश

धनबाद/भाषा। झारखंड के धनबाद जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार को भूमिगत खदानों से जहरीली गैस रिसाव की घटना की जांच के आदेश दिए, जिसके कारण भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) को लगभग 1000 निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को केंदुआडीह बस्ती के विभिन्न स्थानों पर ऐसी खदानों से कार्बन मोनोऑक्साइड लीक होने से एक महिला की कथित तौर पर मौत हो गई, जबकि 12 अन्य लोग बीमार पड़ गए। उन्होंने बताया कि महिला की मौत के वास्तविक कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी।

बांग्लादेश में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में बृहस्पतिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया जिसके झटके राजधानी ढाका और आसपास के जिलों में महसूस किये गए। समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' ने यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 14 मिनट पर आया और उसका केंद्र नरसिंगडी में 30 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। हालांकि भूकंप से जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। खबर के अनुसार भूकंप का केन्द्र कम गहराई पर होने के कारण ढाका और आसपास के जिलों के निवासियों को हल्के झटके ही महसूस हुए। बांग्लादेश भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है। पिछले महीने भी ढाका और नरसिंगडी सहित देश के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किये गए थे जिसकी तीव्रता 5.7 थी और इसमें 10 लोगों की मौत हो गई थी।

यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे से भारतीय नागरिक रिहा

नई दिल्ली/भाषा। युद्धग्रस्त यमन में जुलाई की शुरुआत में हूती विद्रोहियों द्वारा कब्जे में लिए गए केरल के एक व्यक्ति को रिहा करा लिया गया है। अनिलकुमार रवींद्रन मालवाहक जहाज 'एमवी एटर्निटी सी' के चालक दल के सदस्यों में शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत रवींद्रन की रिहाई का स्वागत करता है, जिन्हें सात जुलाई से यमन में बंधक बना कर रखा गया था। मंत्रालय ने बताया, वह कल मस्कट पहुंच गये हैं और जल्द ही उनके भारत लौटने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उनकी सुरक्षित रिहाई और वापसी सुनिश्चित करने के लिए सरकार विभिन्न पक्षों के साथ मिलकर प्रयास कर रही थी।

राष्ट्रपति पुतिन दो दिन के दौरे पर दिल्ली पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत-रूस मित्रता समय की कसौटी पर खरी उतरी है जिससे दोनों देशों के लोगों को बहुत लाभ हुआ है।

नई दिल्ली/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बृहस्पतिवार शाम को करीब 27 घंटे के दौरे पर नयी दिल्ली पहुंचे। पुतिन के भारत पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

यह दौरा करीब आठ दशक पुरानी भारत-रूस साझेदारी को और मजबूत करने वाला है, एक ऐसी साझेदारी जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बावजूद स्थिर बनी हुई है।

भारत इस दौरे को कितनी अहमियत दे रहा है, यह इस बात से पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं पालम हवाई अड्डे पर गले लगाकर पुतिन का स्वागत किया और चार साल के अंतराल के बाद भारत आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेता हवाई अड्डे से मोदी की कार में निकले और प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पहुंचे। करीब तीन महीने पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के बाद चीन के शहर तियानजिन में उन्होंने एक ही वाहन में साथ यात्रा की थी।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''अपने मित्र राष्ट्रपति पुतिन का भारत में स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। आज शाम और कल उनके साथ होने वाली बातचीत को लेकर आशान्वित हूं। भारत-रूस मित्रता समय की कसौटी पर खरी उतरी है जिससे दोनों देशों के लोगों को बहुत लाभ हुआ है।''

मोदी ने शाम में रूसी राष्ट्रपति के लिए एक निजी रात्रिभोज का आयोजन किया। पिछले साल जुलाई में पुतिन ने भी प्रधानमंत्री की मॉस्को यात्रा के दौरान उनका इसी तरह का सत्कार किया था।

यूक्रेन से युद्ध समाप्ति को लेकर
अमेरिकी प्रस्ताव में कुछ बिंदुओं पर सहमत नहीं हुआ जा सकता : पुतिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की अमेरिकी योजना के कुछ प्रस्ताव मॉस्को को अस्वीकार्य हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार की टिप्पणियों में संकेत दिया कि किसी भी समझौते पर पहुंचने में अभी काफी समय लगेगा।

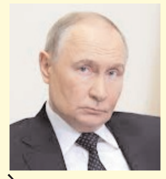

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस द्वारा यूक्रेन पर लगभग चार साल पहले शुरू किए गए बड़े हमले के बाद से युद्धविराम के लिए अब तक की सबसे बड़ी कूटनीतिक कोशिश शुरू की है। लेकिन यह प्रयास फिर से ऐसी मांगों में उलझ गया है जिनका समाधान मुश्किल है, जिसमें खासतौर पर यह मुद्दे हैं कि क्या यूक्रेन को अपनी जमीन रूस को देनी होगी और भविष्य में मॉस्को की किसी भी आक्रामक कार्रवाई से उसे कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है।

ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर नहीं किए जाने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ बृहस्पतिवार को मियामी में यूक्रेन के प्रमुख वार्ताकार रुस्तेम उमेरोव से मुलाकात करेंगे।

पुतिन ने कहा कि यूक्रेन से युद्ध समाप्त करने को लेकर अमेरिकी दूतों के साथ उनकी पांच घंटे की वार्ता 'आवश्यक' और 'उपयोगी' थी, लेकिन यह एक ''कठिन कार्य'' था, क्योंकि कुछ प्रस्ताव मॉस्को के लिए अस्वीकार्य थे। पुतिन ने बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली की यात्रा से पहले 'इंडिया टुडे' टीवी चैनल के साथ बातचीत की। रूसी समाचार एजेंसी 'तास' ने पुतिन के हवाले से कहा कि मंगलवार की वार्ता में दोनों पक्षों को अमेरिकी शांति प्रस्ताव के ''प्रत्येक बिंदु पर विचार करना पड़ा, इसी कारण इसमें इतना लंबा समय लगा।''

भारत, रूस का सहयोग किसी के खिलाफ नहीं : पुतिन

नई दिल्ली/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और रूस का सहयोग किसी भी देश के खिलाफ नहीं है और इसका उद्देश्य सिर्फ दोनों देशों द्वारा अपने-अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। पुतिन ने यह टिप्पणी भारत और रूस के प्रति अमेरिका के आक्रामक रुख की पृष्ठभूमि में की है। रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों के संदर्भ में पुतिन ने कहा कि कुछ ''तत्व'' रूस के साथ भारत के घनिष्ठ संबंधों के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत की बढ़ती भूमिका को नापसंद करते हैं और ये तत्व राजनीतिक कारणों से भारत के प्रभाव को सीमित करने के लिए ''कृत्रिम बाधाएं'' खड़ी करने का प्रयास कर रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार शाम को एक निजी समाचार चैनल को दिए गए साक्षात्कार में रूस के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके देश का भारत के साथ ऊर्जा सहयोग काफी हद तक ''अप्रभावित'' है। पुतिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिखर वार्ता करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर बृहस्पतिवार की शाम नयी दिल्ली पहुंचे।

इंडिगो की देश भर में 550 से अधिक उड़ानें रद्द, परिचालन संकट गहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ इंडिगो हाल के दिनों में चालक दल की भारी किल्लत का सामना कर रहा है।

■ उड़ान ड्यूटी की सीमा तय करने वाले नए एफडीटीएल नियम लागू होने के बाद से ही एयरलाइन चालक दल की कमी का सामना कर रही है।

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में परिचालन व्यवधान लगातार तीसरे दिन बृहस्पतिवार को भी जारी रहा। एयरलाइन की 550 से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया जबकि कई उड़ानें देर से रवाना होने से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि बृहस्पतिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर 172 उड़ानों सहित विभिन्न हवाई अड्डों पर 550 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं।

सूत्रों के अनुसार मुंबई हवाई अड्डे पर कम से कम 118 उड़ानें रद्द हुईं, बेंगलुरु में 100, हैदराबाद में 75, कोलकाता में 35, चेन्नई में 26 और गोवा में 11 उड़ानें रद्द हुईं। अन्य हवाईअड्डों पर भी उड़ानें रद्द होने की सूचना मिली है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक बयान में कहा, इंडिगो में रद्द उड़ानों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, जो प्रतिदिन लगभग 170-200 उड़ानों तक पहुंच रही है और यह सामान्य स्तर की तुलना में काफी अधिक है।

देश के छह प्रमुख हवाई अड्डों- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद के संयुक्त आंकड़ों के आधार पर एयरलाइन की समयपालन दर बुधवार को गिरकर 19.7 प्रतिशत पर आ गई थी जबकि दो दिसंबर को यह 35 प्रतिशत थी।

ओडिशा को महानदी के जल पर जल्द ही अपना अधिकार मिलेगा : मोहन चरण माझी

भुवनेश्वर/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के साथ विवाद के कानूनी और सौहार्दपूर्ण समाधान के माध्यम से ओडिशा को जल्द ही महानदी नदी के जल पर अपना अधिकार मिल जाएगा। माझी ने विधानसभा में कांग्रेस सदस्य ताराप्रसाद बहिनीपति के लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा, महानदी को ओडिशा की जीवन रेखा माना जाता है और राज्य सरकार पिछले डेढ़ साल से कानूनी और सौहार्दपूर्ण बातचीत के जरिए जल बंटवारे के विवाद को सुलझाने का प्रयास कर रही है। ओडिशा को बहुत जल्द उसका अधिकार मिल जाएगा।

भारतीय नौसेना अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का पर्याय : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को नौसेना दिवस पर बल के कर्मियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारतीय नौसेना अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का पर्याय है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि हाल के वर्षों में नौसेना ने आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है और इससे हमारी सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती में वृद्धि हुई है।

चार दिसंबर को नौसेना दिवस, 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। भारतीय नौसेना की 'मिसाइल बोट्स' ने 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के तहत कराची बंदरगाह पर जोरदार हमला किया था। उन्होंने पोस्ट में कहा, भारतीय नौसेना के सभी कर्मियों को नौसेना दिवस की शुभकामनाएं। हमारी नौसेना अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का पर्याय है। वे हमारे तटों की सुरक्षा करते हैं और हमारे सामुद्रिक हितों को बनाए रखते हैं। हाल के वर्षों में हमारी नौसेना ने आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे हमारी सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ हुई है। उन्होंने हाल के एक अवसर को भी याद किया जब उन्होंने भारत के स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर नौसेना कर्मियों के साथ समय बिताया था।

मोदी ने कहा, मैं इस वर्ष की दिवाली कभी नहीं भूल सकता, जो मैंने आईएनएस विक्रांत पर नौसेना कर्मियों के साथ मनाई। भारतीय नौसेना को उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

इस बीच नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने भी बल को शुभकामनाएं दीं और भारत के समुद्री हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, नौसेना दिवस 2025 के अवसर पर हम कर्तव्य, सम्मान और साहस के साथ नौसेना और राष्ट्र की सेवा करने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराते हैं। हम युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य के लिए आत्मनिर्भर बल के रूप में दृढ़ता से खड़े रहेंगे।

मोदी सरकार की नीतियों से रुपया कमजोर हुआ, आर्थिक हालात अच्छे नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण डॉलर के मुकाबले रुपए के मूल्य में गिरावट आई है तथा इससे यह भी पता चलता है कि देश की आर्थिक परिस्थिति अच्छी नहीं है।

खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पुराने बयान का हवाला देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को जवाब देना होगा कि रुपया क्यों कमजोर होता जा रहा है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.36 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 28 पैसे और टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बुधवार को रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 का स्तर पार कर 90.15 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''मोदी सरकार की नीतियों की वजह से रुपया कमज़ोर हो रहा है। अगर सरकार की नीति अच्छी होती, तो रुपए की कीमत बढ़ती। रुपए के कमजोर होने से पता चलता है कि हमारी आर्थिक हालत अच्छी नहीं है। सरकार भले ही अपनी पीठ थपथपा ले लेकिन दुनिया में हमारी करेंसी की कोई 'वैल्यू' नहीं है।''

बाद में उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''रुपया आज 90 पार कर चुका है। सरकार चाहे कोई भी ढिंढ़ोरा पीटे, रुपए की क़ीमत गिरने से ये पता चलता है की देश की असली आर्थिक परिस्थिति क्या है। अगर मोदी सरकार की नीति ठीक होती तो रुपया नहीं गिरता।''

खरगे के मुताबिक, ''वर्ष 2014 के पहले मोदी जी ने कहा कि क्या कारण है हिंदुस्तान का रुपया पतला होता जा रहा है, ये जवाब देना पड़ेगा आपको। देश आप से जवाब मांग रहा है।'' उन्होंने कहा, '' मोदी जी से आज हम यही सवाल पूछ रहें हैं। उनको जवाब तो देना पड़ेगा।''

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने रुपए की कीमत में गिरावट पर संवाददाताओं से कहा, ''मनमोहन सिंह जी के वक्त भाजपा के लोग रुपए को लेकर क्या-क्या कहते थे, आज रुपए के हाल पर ये क्या जवाब देंगे?

खेल समय बर्बाद करने का नहीं, हमारे जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम हैं : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि खेल-कूद, हमारे जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम है और जिस तरह से विश्व खेल मानचित्र पर हमारे खिलाड़ी देश का मान बढ़ा रहे हैं ये हम सभी के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने प्रदेश में खेल सुविधाओं को कमिश्नरी से जनपद और जनपद से ब्लाक स्तर व प्रत्येक स्कूल-कॉलेजों में विकसित करने के जरूरी कदम उठाये हैं। साथ ही उन्होंने वर्ष 2030 में देश में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक तालिका में अपना नाम दर्ज करने के लिए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

एक बयान के मुताबिक वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कालेज, गोरखपुर में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता- 2025 के (ग्रीको रोमन) कुश्ती के विजेताओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर उन्होंने 17 एवं 19 आयु वर्ग के विजेताओं को पदक व पुरस्कार देकर सम्मानित किया और प्रतियोगियों को संबोधित करते हुए कहा, खेल-कूद, हमारे जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम है और जिस तरह से विश्व खेल मानचित्र पर हमारे खिलाड़ी देश का मान बढ़ा रहे हैं ये हम सभी के लिए गौरव का विषय है।

पादुका दर्शन

गुरुवार को चिकमंगलुरु के पास गुरु दत्तात्रेय बाबाबुदन गिरि के गुफा मंदिर में पादुका दर्शन के लिए भक्त पहुंचे। इस कार्यक्रम के साथ वीएचपी और बजरंग दल द्वारा आयोजित दत्तमाला अभियान और दत्त जयंती का समापन हुआ।

05-12-2025 सूर्यास्त 5:52 बजे	06-12-2025 सूर्योदय 6:28 बजे
BSE 85,265.32 (+158.51)	NSE 26,033.75 (+47.75)
सोना 13,373 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 181,385 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मोदी-पुतिन

दुनिया से बोले मोदी जी,
पाकिस्तान नहीं है नेक।
अब ना बक्शेंगे उसको हम,
अगर करी उसने मिस्टेक।
सुख-दुख का साथी है रशिया,
इसमें कोई मीन न मेख।
पुतिन लिपट कर बोले भाई,
हम दोनों हैं एकमएक।

मादक पदार्थ तस्करी का खतरा बरकरार; कूरियर, ई-कॉमर्स बिक्री का फायदा उठा रहे अपराधी : सीबीआईसी

नई दिल्ली/भाषा। हाल के वर्षों में मादक पदार्थों और सोने की तस्करी में अवैध भुगतान और अपराध से अर्जित रकम के लेन-देन में क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग तेजी से बढ़ा है और अब हवाला नेटवर्क की जगह क्रिप्टोकरेंसी का अधिक इस्तेमाल हो रहा है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक या हवाला जैसे पुराने तरीकों के मुकाबले क्रिप्टोकरेंसी से पैसा कुछ ही सेकंड में दुनिया के किसी भी कोने में भेजा जा सकता है और इसका पता लगाना भी बहुत मुश्किल होता है। इस तरह ये सरकारी निगरानी से पूरी तरह बच जाता है।

'भारत में तस्करी 2024-25' रिपोर्ट कहती है कि यह बढ़ता चलन कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। अब गैर-कानूनी लेन-देन का पता लगाने और इससे जुड़े अपराधों को रोकने के लिए एडवांस्ड ब्लॉकचेन फॉरेंसिक, विभिन्न एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी साझा करना और विशेष विश्लेषणात्मक उपकरण अपनाना आवश्यक हो गया है। इसमें कहा गया कि क्रिप्टोकरेंसी अपने विकेंद्रीकृत, अज्ञात पहचान वाले और सीमाहीन स्वभाव के कारण तस्करी गिरोहों के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बन गई है। डीआरआई ने अवैध भुगतानों और अपराध से प्राप्त धन के लेन-देन में डिजिटल संपत्तियों के बढ़ते उपयोग को देखा है, खासकर मादक पदार्थों की तस्करी और सोना तस्करी के मामलों में। रिपोर्ट में कहा गया कि सोने और मादक पदार्थों की तस्करी के जरिये कमाई गई रकम या तो हवाला के जरिये भेज दी जाती है या क्रिप्टोकरेंसी के रूप में विदेश में बैठे सरगनाओं को भेजी जाती है।

'पान मसाला पर उपकर से मिले राजस्व का हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि पान मसाला के उत्पादन पर उपकर लगाने के प्रावधान का मकसद स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। उन्होंने सदन में 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगा।

सीतारमण ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य दो प्रमुख आयामों स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संसाधनों का स्रोत तैयार करना है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरत होती है कि सतत निवेश हो। यह उपकर आवश्यक वस्तुओं पर नहीं लगाया जाएगा। यह सिर्फ ऐसी हानिकारक वस्तुओं पर लगाया जाएगा, जो स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालती हैं।''

वित्त मंत्री ने कहा, ''इस उपकर को लगाने से पान मसाला का दाम बढ़ेगा तो इन्हें खाने में रुकावट पैदा होगी। इससे जो राजस्व मिलेगा उसमें से एक हिस्सा राज्यों को भी देने का प्रावधान किया गया है ताकि वे स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं में इसका उपयोग कर सकें।'' उन्होंने कहा, ''पान मसाला को लेकर जीएसटी की जो व्यवस्था है, उसमें कोई बदलाव नहीं होगा। जीएसटी के तहत पान मसाला के उपभोग पर सबसे ज्यादा 40 प्रतिशत कर भी लगाया जा रहा है।''

'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। इसके तहत उन मशीनों या प्रक्रियाओं पर उपकर लगाया जाएगा, जिनके माध्यम से उक्त वस्तुओं का निर्माण या उत्पादन किया जाता है।

जब एक जुलाई 2017 को जीएसटी की शुरुआत हुई थी तो जीएसटी कार्यान्वयन के कारण राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए 30 जून 2022 तक पांच वर्षों के लिए क्षतिपूर्ति उपकर की व्यवस्था लागू की गई थी।

दुर्लभ चील उल्लू के अंडे सेने के लिए खदान में जारी काम को रोका गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में पर्यावरण-हितैषी कदम उठाते हुए लगभग एक महीने के लिए एक पत्थर की खदान में उत्खनन का काम रोक दिया गया है ताकि एक दुर्लभ रॉक चील उल्लू को शांति से अपने अंडे सेने दिया जा सके।

वन्यजीव फोटोग्राफरों और संरक्षणवादियों द्वारा इस दुर्लभ पक्षी और इसके अंडों के बारे में सतर्क किए जाने के बाद तेलंगाना का वन विभाग तुरंत कार्रवाई में जुट गया। विकाराबाद जिला वन अधिकारी ज्ञानेश्वर ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वन्यजीव फोटोग्राफर मनोज कुमार विट्टापु ने तेलंगाना के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) सी सुवर्णा को रॉक चील उल्लू और उसके पांच अंडों की उपस्थिति के बारे में सूचित किया। विट्टापु ने लगभग छह दिन पहले विकाराबाद के येनकथला में घास के मैदान का दौरा किया था। ज्ञानेश्वर ने बताया कि पीसीसीएफ ने विकाराबाद जिले के वन अधिकारियों को तुरंत सुरक्षा उपाय करने के लिए कहा। उन्होंन बताया कि मौके पर पहुंचे वन विभाग के कर्मियों ने पत्थर खदान इकाई के मालिक लक्ष्मण रेड्डी को दुर्लभ प्रजाति के पक्षी की उपस्थिति और उसके अंडों के बारे में जानकारी दी। ज्ञानेश्वर ने बताया कि इकाई मालिक ने चूजों के उड़ने लायक होने तक पक्षी को परेशान न करने पर सहमति व्यक्त की। तब से वन विभाग के कर्मचारी दैनिक आधार पर पक्षी पर कड़ी नजर रख रहे हैं। यह रॉक चील उल्लू दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाने वाला एक दुर्लभ प्रजाति का पक्षी है जो कीड़े, चूहे और अन्य जीवों के शिकार पर निर्भर रहता है। अधिकारी ने बताया कि अन्य उल्लुओं की तुलना में ये मुख्य रूप से चट्टानी इलाकों में रहते हैं।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कुछ करेः सोनिया गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इससे निपटने के लिए कुछ करे। सोनिया गांधी ने शीतकालीन सत्र में वायु प्रदूषण की स्थिति पर चर्चा की मांग करते हुए संसद परिसर में विपक्षी सांसदों के साथ प्रदर्शन किया। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, ''सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह कुछ करे। दमा से पीड़ित छोटे-छोटे बच्चे सांस नहीं ले पा रहे हैं, मेरे जैसे बहुत सारे बुजुर्ग हैं, उनके लिए भी मुश्किल है।'' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने वायु प्रदूषण के हालात को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, ''किस मौसम का मजा लें। बाहर देखें कि क्या स्थिति बनी हुई है, जैसे सोनिया जी ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चे सांस नहीं ले पा रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि हर साल स्थिति बिगड़ रही है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

इंडिगो परिचालन को सामान्य बनाने में जुटी, समय पर संचालन का लक्ष्य आसान नहीं : सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। परिचालन संकट से गुजर रही इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि विमानन कंपनी का तात्कालिक लक्ष्य परिचालन को सामान्य करना एवं सेवाओं का समय पर संचालन करना है लेकिन यह कोई आसान लक्ष्य नहीं है। एल्बर्स ने कर्मचारियों को दिए संदेश में यह स्वीकार किया कि एयरलाइन ग्राहकों को हवाई यात्रा का अच्छा अनुभव प्रदान करने के अपने वादे पर खरी नहीं उतर सकी।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पिछले तीन दिनों से परिचालन संबंधी गंभीर व्यवधानों से जूझ रही है। बृहस्पतिवार को उसने 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं जबकि कई उड़ानें विलंबित रहीं। इस पृष्ठभूमि में जारी अपने संदेश में एल्बर्स ने कहा कि पिछले कुछ दिन इंडिगो के कई ग्राहकों और सहकर्मियों के लिए मुश्किल भरे रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम प्रतिदिन 3,80,000 ग्राहकों को सेवाएं देते हैं और चाहते हैं कि उनमें से प्रत्येक को अच्छा अनुभव मिले। हम पिछले कुछ दिनों में वादे पर खरे नहीं उतर पाए और इसके लिए हमने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है।'' इंडिगो के सीईओ ने कहा कि छोटी-मोटी प्रौद्योगिकी गड़बड़ियां, समय-सारिणी में बदलाव, प्रतिकूल मौसम की स्थिति, विमानन परिवेश में बढ़ती भीड़ तथा हाल में जारी एफडीटीएल मानदंडों के कार्यान्वयन सहित कई परिचालन चुनौतियों ने परिचालन पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। विमानन कंपनी प्रतिदिन करीब 2,300 उड़ानें संचालित करती है और समय पर सेवाएं देने के लिए चर्चित है। लेकिन तीन दिसंबर को इसकी उड़ानों का समय पर संचालन घटकर सिर्फ 19.7% रह गया।

जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान से जुड़े मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़, छह लोग गिरफ्तार

जम्मू/भाषा। पुलिस ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि सीमा पार मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से 30 करोड़ रुपए मूल्य से अधिक कीमत की करीब पांच किलोग्राम हेरोइन तथा तीन पिस्तौल बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक अजय शर्मा ने यहां संवाददाताओं को बताया, जम्मू में एक बड़े मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। छह सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उनमें से चार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनके पास से 4.95 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। तीन पिस्तौल भी बरामद की गई हैं। एसपी ने कहा कि आरोपी मादक पदार्थ-आतंकवाद के तहत सीमा पार से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, जब हमने उनके डिजिटल फुटप्रिंट की जांच की तो पता चला कि वे इस देश की अगली पीढ़ी को नष्ट करने के लिए मादक पदार्थ की आपूर्ति कर रहे सीमा पार पाकिस्तानी संचालकों से जुड़े हुए हैं।

रुपए के मूल्य में गिरावट से आम लोगों के लिए आर्थिक समस्या बढ़ रही : तन्खा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में कांग्रेस सदस्य विवेक के तन्खा ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए में आई तीव्र गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि घरेलू मुद्रा के कमजोर होने से आम लोगों की आर्थिक तकलीफ बढ़ी है।

शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया और यह भारतीय इतिहास का रुपए का 'सबसे कमजोर' स्तर है। उन्होंने कहा, ''मैं एक अत्यंत सामयिक विषय पर बोल रहा हूं। भारतीय रुपए की लगातार गिरावट आम भारतीय की बढ़ती आर्थिक समस्या की वजह है। रुपया अमेरिकी मुद्रा

के मुकाबले अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह चिंताजनक है।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में रुपए ने अपनी 20 से 27 प्रतिशत तक मूल्य गंवाया है, जिसका अर्थ है कि लोगों की जेब में मौजूद रकम अब वैश्विक स्तर पर लगभग एक चौथाई कम क्रय शक्ति रखती है। तन्खा के अनुसार, इस वर्ष अकेले रुपए में पांच प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो 2022 के बाद सबसे तेज है। इससे 2025 में यह एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया है।

मुंबई में 4.96 मीटर ऊंची लहरें आने की आशंका, लोगों से समुद्र तट से दूर रहने की अपील

मुंबई/भाषा। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बृहस्पतिवार को समुद्र में 4.96 मीटर ऊंची लहरें आने की आशंका के मद्देनजर लोगों से समुद्र तटों से दूर रहने की अपील की है। बीएमसी ने बताया कि अरब सागर से ऊंची लहरें रात 11.52 बजे अपेक्षित हैं। महानगरपालिका ने चार से सात दिसंबर के बीच चार मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठने का पूर्वानुमान जताया है।

छह दिसंबर को डॉ बी आर अंबेडकर की पुण्यतिथि (महापरिनिर्वाण दिवस) के अवसर पर चैत्य भूमि और शिवाजी पार्क जाने वाले लोगों को समुद्र के किनारे विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। हर साल हजारों लोग मध्य मुंबई की चैत्य भूमि पर एकत्र होते हैं।

भारत, कनाडा ने व्यापार समझौते पर बातचीत की रूपरेखा, तौर-तरीकों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने बुधवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की रूपरेखा, उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर चर्चा की।

दोनों पक्ष हाल ही में इस समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''कनाडा के साथ व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मंत्री सिद्धू के साथ सार्थक बातचीत हुई। हमने सीईपीए वार्ता शुरू करने की तैयारियों के तहत समग्र दृष्टिकोण, रूपरेखा, व्यापक उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर शुरुआती और व्यापक चर्चा की।'' उन्होंने अगले साल कनाडा में एक उच्च-स्तरीय व्यापार और निवेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने पर भी सहमति जतायी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में, कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। उसके बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आई थी। उसके बाद कनाडा ने भारत के साथ समझौते पर बातचीत रोक दी थी।

सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है जिसके तहत दो देश अपने बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को या तो काफी कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं। ये समझौते कुशल पेशेवरों की आवाजाही के मानदंडों को भी आसान बनाते हैं और निवेश आकर्षित करते हैं। इससे पहले, प्रस्तावित समझौते पर दोनों देशों के बीच छह से ज्यादा दौर की बातचीत हो चुकी थी। कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8 प्रतिशत बढ़कर 4.22 अरब डॉलर रहा जो 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर था। हालांकि, पिछले वित्त वर्ष में आयात 2.33 प्रतिशत घटकर 4.44 अरब डॉलर रहा, जो 2023-24 में 4.55 अरब डॉलर था। भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब डॉलर का था।

विदेशी प्रमुखों से मिलने की इजाजत नहीं होने का राहुल गांधी का दावा 'सरासर झूठ' : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को राहुल गांधी के इस आरोप को ''सरासर झूठ'' बताते हुए खारिज कर दिया कि सरकार विदेशी मेहमानों को उनसे मिलने नहीं देती। पार्टी ने कहा कि विपक्ष के नेता ने इस साल न्यूजीलैंड और मॉरिशस के प्रधानमंत्रियों समेत कई विदेशी मेहमानों से मुलाकात की है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने इन विदेशी मेहमानों के साथ मुलाकात की गांधी की तस्वीरें साझा कीं और कहा, ''किसी भी दौरे के दौरान विदेश मंत्रालय आगंतुक गणमान्य व्यक्ति की सरकार के अधिकारियों और सरकारी संस्थाओं के साथ मुलाकात की व्यवस्था करता है।'' उन्होंने कहा, ''सरकार से इतर बैठक आयोजित करना आगंतुक प्रतिनिधिमंडल पर निर्भर करता है।'' पार्टी का यह खंडन ऐसे समय में आया है जब गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी ''असुरक्षा'' के कारण आने वाले विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से कहती है कि वे विपक्ष के नेता से नहीं मिलें।

लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने कहा कि यह एक परंपरा है कि आगंतुक विदेशी मेहमान विपक्ष के नेता से मिलते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्रालय इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं।

नोकिया ने डेवलपरों को नेटवर्क क्षमताएं मुहैया कराने के लिए एयरटेल से साझेदारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख दूरसंचार कंपनी नोकिया ने तीसरे पक्ष के डेवलपरों को नेटवर्क क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए भारती एयरटेल के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी से नए प्रौद्योगिकी समाधान तैयार होंगे और मौद्रीकरण के नए अवसर पैदा होंगे।

नोकिया ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि सफल परीक्षणों के बाद वह अपने 'नेटवर्क ऐज कोड' मंच के जरिये एयरटेल के नेटवर्क एपीआई को डेवलपरों, सिस्टम इंटीग्रेटर और विभिन्न उद्यमों के लिए ग्राहकी मॉडल पर उपलब्ध कराएगी। नेटवर्क एपीआई का मतलब ऐसे सॉफ्टवेयर इंटरफेस है जिनकी मदद से बाहरी डेवलपर किसी दूरसंचार नेटवर्क की लोकेशन सेवाएं, सुरक्षा, 5जी नेटवर्क क्षमता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी क्षमताओं को अपने ऐप, मंच या उद्यम समाधान में जोड़ सकते हैं। एयरटेल बिजनेस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शरत सिन्हा ने कहा, हम नेटवर्क एपीआई के क्षेत्र में नोकिया के साथ हुई साझेदारी से बेहद उत्साहित हैं। यह सहयोग स्वचालन को बढ़ावा देगा और हमारी नेटवर्क क्षमताओं का उपयोग करते हुए सुरक्षित एवं नवोन्मेषी डिजिटल सेवाओं के निर्माण के लिए पूरे तंत्र को सशक्त बनाएगा।

टीएसपीएल के बायोमास संयंत्र से पंजाब में खेतों में आगजनी, पराली जलाने की घटनाएं घटीं : वेदांता

नई दिल्ली/भाषा। खनन समूह वेदांता ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके ऊर्जा व्यवसाय उपक्रम 'तलवंडी साबो पावर लि.' (टीएसपीएल) के बायोमास विनिर्माण संयंत्र ने पंजाब के मानसा में खेतों में आग लगने की घटनाएं बहुत कम करने में मदद की है और पराली जलाने की घटनाओं में भी कमी आई है। वेदांता पावर के 1,980 मेगावाट क्षमता के तापविद्युत संयंत्र टीएसपीएल ने पंजाब के मानसा में प्रतिदिन 500 टन बायोमास विनिर्माण का संयंत्र स्थापित किया है।

वेदांता समूह ने एक बयान में कहा कि जिला प्रशासन के जारी आंकड़ों से पता चलता है कि मानसा में कटाई के मौसम में पराली जलाने की घटनाओं में काफ़ी कमी आई है। पराली जलाने के मामले वर्ष 2023 के 2,253 से घटकर वर्ष 2024 में 618 रह गए। वर्ष 2025 में यह संख्या और भी कम होकर 306 रह गई। समूह ने कहा कि इस तरह दो साल में ही मानसा में पराली जलाने की घटनाओं में 87 प्रतिशत और पिछले एक साल में 50.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। मानसा के 244 गांवों में से 104 में इस साल खेतों में आग लगने की कोई भी घटना नहीं हुई है। इनमें हेरॉन कलां और डोडरा जैसे गांव भी शामिल हैं जहां वर्ष 2023 में क्रमशः 45 और 31 मामले हुए थे लेकिन इस साल घटकर 'शून्य' रह गए। टीएसपीएल ने अपने बिजली संयंत्र के पास 500 टन की दैनिक क्षमता वाली पंजाब में 'टोरेफाइड बायो-पेलेट' की सबसे बड़ी विनिर्माण इकाई लगाने में अपने साझेदार की मदद की।

विदेशी मेहमानों को विपक्षी नेता से नहीं मिलने दिया जाताः राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मोदी सरकार विदेशी मेहमानों को विपक्षी नेता से मिलने से रोक रही है क्योंकि वह खुद को असुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई विशिष्ट विदेशी मेहमान भारत आता है या वह विदेश जाते हैं तो सरकार की तरफ से कहा जाता है कि उनसे (राहुल से) मुलाकात नहीं होनी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से कुछ घंटे पहले यह दावा किया। पुतिन आज शाम आधिकारिक दौरे पर भारत आएंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''आमतौर पर यह परंपरा रही है कि जो विदेशी मेहमान भारत आते हैं उनकी नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात होती है। यह अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय होता था और मनमोहन सिंह जी के समय भी होता था। आजकल यह होता है कि जब बाहर से कोई आता है या मैं कहीं बाहर जाता हूं तो सरकार सुझाव देती है कि बाहर से आने वाले अतिथि या उनके (राहुल के) बाहर जाने पर वहां के लोग नेता प्रतिपक्ष से नहीं मिलें।'' उनका कहना था कि सरकार यह हर बार करती है। राहुल गांधी ने कहा, ''हिंदुस्तान का प्रतिनिधित्व हम भी करते हैं, सिर्फ सरकार नहीं करती है। सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष के लोग बाहर के लोगों से मिलें।'' उन्होंने दावा किया, ''यह परंपरा है, लेकिन मोदी जी इसका पालन नहीं कर रहे हैं, विदेश मंत्रालय पालन नहीं कर रहा है। यह उनकी असुरक्षा की भावना है।''

राहुल गांधी के बयान पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने दावा किया कि यह सरकार असुरक्षा का भाव रखती है।

उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''एक प्रोटोकॉल होता है। आने वाले सभी बड़े लोग नेता प्रतिपक्ष से मिलते हैं। सरकार प्रोटोकॉल को तोड़ रही है और उनकी सारी नीतियां इसी पर आधारित हैं। वे नहीं चाहते कि कोई दूसरी आवाज उठे। वे किसी और की राय नहीं सुनना चाहते। उन्हें लोकतंत्र में प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए।''

मादक पदार्थों, सोने की तस्करी में बढ़ रहा है क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमालः डीआरआई रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय गिरोह कूरियर और ई-कॉमर्स के जरिये सामानों की बिक्री का फायदा उठा रहे हैं। इससे देश में नशीले पदार्थों की तस्करी का खतरा लगातार बना हुआ है।

चतुर्वेदी ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के 68वें स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में अधिकारियों से उभरते खतरों से निपटने के अपने संकल्प को फिर से दोहराने और तस्करी के स्वरूप का अनुमान लगाने के लिए उन्नत आंकड़ा विश्लेषण का उपयोग जारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष डीआरआई ने 65 किलोग्राम कोकीन, 225 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और लगभग नौ टन गांजा जब्त किया था। डीआरआई नशीली दवाओं की तस्करी के नेटवर्क को खत्म करने के लिए काम कर रहा है।

सीबीआईसी प्रमुख ने कहा, ''हमारे देश के लिए नशीले पदार्थों का खतरा लगातार बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय गिरोह कूरियर और ई-कॉमर्स बिक्री के साथ-साथ समुद्री मार्गों का फायदा उठाकर देश में सिंथेटिक दवाओं को भेजने के लिए बिल्ली-और-चूहे का खेल जारी रखे हुए हैं।''

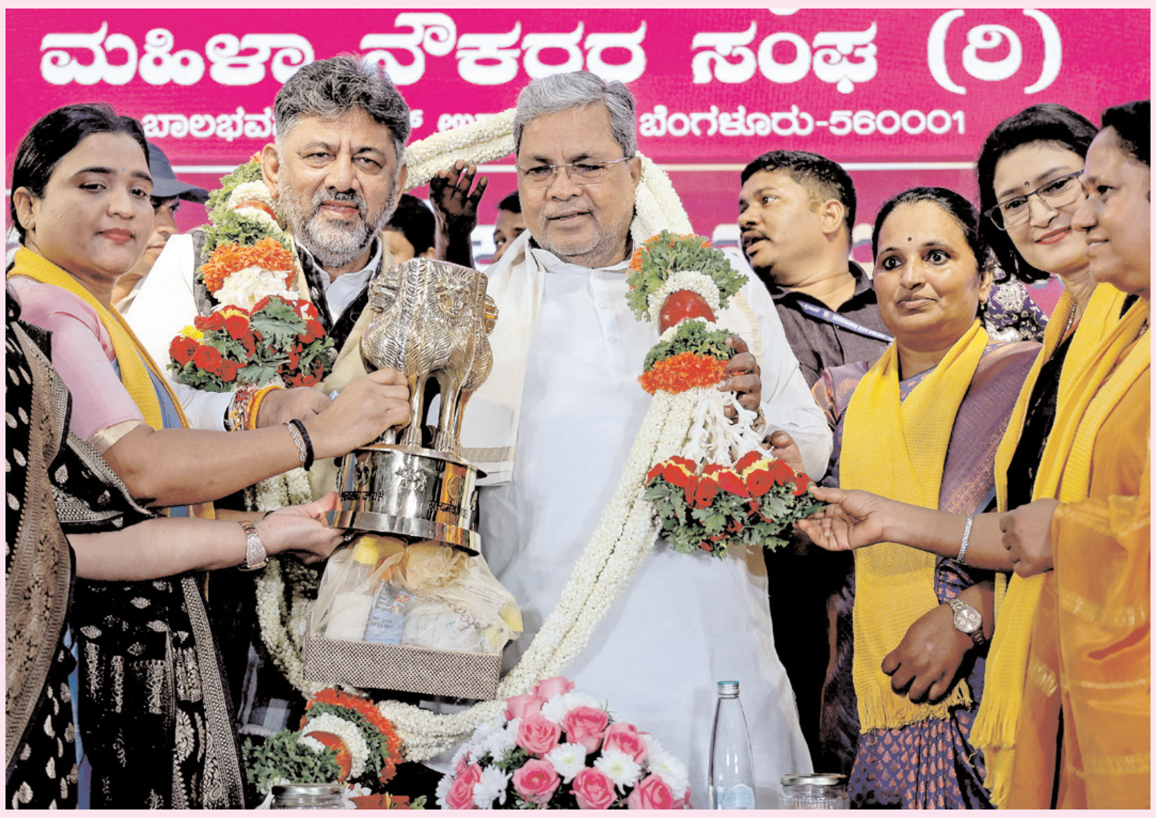
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को अखिल कर्नाटक स्टेट गवर्नमेंट महिला कर्मचारी एसोसिएशन द्वारा राज्य सरकार द्वारा 'महिला कर्मचारियों के लिए मेंस्ट्रुअल साइकिल लीव' की घोषणा के लिए सम्मानित किया।

सरकारी महिला कर्मचारियों को मिलेगा एक दिन का मासिक धर्म अवकाश, नहीं कटेगा वेतन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने सरकारी क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मचारियों को हर महीने एक दिन का मासिक धर्म अवकाश देने का आदेश दिया है और इस अवकाश के लिए उनका वेतन नहीं काटा जाएगा। सरकार ने पिछले महीने एक आदेश जारी कर स्थायी, संविदा और आउटसोर्स नौकरियों में कार्यरत 18 से 52 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए एक दिन का मासिक धर्म अवकाश अनिवार्य कर दिया था। यह आदेश कारखाना अधिनियम(1948), 'कर्नाटक शॉप्स एंड कमर्शियल एस्टैब्लिशमेंट्स' (1961), बागान श्रम (1951), बीड़ी तथा सिगार कर्मकार (नियोजन की शर्तें) तथा मोटर परिवहन कर्मकार (1961) अधिनियमों के तहत पंजीकृत सभी उद्योगों और प्रतिष्ठानों में काम करने वाली महिलाओं पर लागू होता है।

दो दिसंबर को सरकार ने राज्य की महिला सरकारी कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से हर महीने एक दिन का मासिक धर्म अवकाश देने का आदेश दिया था। आदेशानुसार 18 से 52 वर्ष की आयु की सरकारी महिला कर्मचारी इस अवकाश का लाभ उठाने की पात्र हैं।

बेंगलूरु होटल एसोसिएशन (बीएचए) ने हाल ही में कर्नाटक उच्च न्यायालय में राज्य सरकार के नवंबर में जारी किये गए उस निर्देश को चुनौती दी थी जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश अनिवार्य किया गया था।

एसोसिएशन ने आदेश के मूल आधार पर ही सवाल उठाया है और इस बात पर जोर दिया था कि राज्य ने स्वयं सरकारी विभागों में कार्यरत महिलाओं को ऐसी छुट्टी नहीं दी है। इसने आदेश को भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा कि महिलाओं के सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक होने के बावजूद राज्य ने अपने कर्मचारियों के लिए ऐसा कोई प्रावधान लागू नहीं किया है।

बेलगावी में नाबालिग से दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी जिले में मंगलवार को एक 13 वर्षीय लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों का नाम मणिकांठा दिन्निमणि और इरन्ना संकम्मनवर है। पुलिस ने बताया कि एक आरोपी ने लड़की के साथ मारपीट की, जबकि दूसरे ने पहरा देकर इस घटना में उसका साथ दिया। यह घटना मुरागोडा पुलिस थाने में दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार, सातवीं कक्षा की छात्रा का कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किया गया जब वह आटा चक्की से लौट रही थी। तभी आरोपी उसको पास के गन्ने के खेत में खींचकर ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया।

यह घटना देर से सामने आई क्योंकि पीड़िता के परिवार को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। हैरान करने वाली बात यह है कि जिस स्थान पर घटना को अंजाम दिया गया, पीड़िता का घर उससे महज 200 मीटर की दूरी पर ही है।सोमवार (1 दिसंबर) को दर्ज शिकायत के बाद, मुरगोड पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बेलगावी के एसपी भीमाशंकर गुलेड़ ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि शिकायत दर्ज होते ही पुलिस अधिकारियों ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। हमने मामले की जांच के लिए एक महिला पुलिस अधिकारी को तैनात किया है। आरोपी मणिकांठा और इरन्ना को जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा। एसपी ने कहा कि हम यह पता लगाने के लिए जांच करेंगे कि शिकायत देर से क्यों दर्ज कराई गई।

बलात्कार मामले में उम्रकैद की सजा निलंबित करने की प्रज्वल रेवन्ना की याचिका खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को उसके खिलाफ दर्ज बलात्कार के चार मामलों में से एक में अधीनस्थ अदालत द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को निलंबित करने से बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति केएस मुदगल और न्यायमूर्ति वेंकटेश नाइक टी की खंडपीठ ने कहा कि अपराध की गंभीरता, रेवन्ना के खिलाफ लंबित कई मामलों और सबूतों से छेड़छाड़ के जोखिम को देखते हुए यह जमानत के लिए उपयुक्त मामला नहीं है।

न्यायाधीशों ने कहा कि सुनवाई के दौरान भी रेवन्ना को जमानत नहीं दी गई थी और पीड़िता ने आरोपी की प्रभावशाली पृष्ठभूमि के कारण हमले की रिपोर्ट दर्ज कराने में देरी की थी। रेवन्ना का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने दलील दी कि दोषसिद्धि कमजोर सबूतों पर आधारित थी और 'मीडिया ट्रायल' से प्रभावित थी।

याचिका का विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक प्रोफेसर रवि वर्मा कुमार ने पूर्व में हुए अपहरण के प्रयासों का जिक्र करते हुए दलील दी कि रेवन्ना को जमानत पर रिहा करने से पीड़िता और गवाहों को खतरा होगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय सजा के निलंबन पर निर्णय लेने के चरण में प्रत्येक साक्ष्य का पुनर्मूल्यांकन नहीं करेगा तथा उसे अधीनस्थ अदालत के आदेश में प्रथम दृष्टया कोई त्रुटि नहीं मिली। रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज करने के बाद उच्च न्यायालय ने उसकी अपील पर अंतिम सुनवाई के लिए 12 जनवरी 2026 की तिथि निर्धारित की। जिस मामले में रेवन्ना को सजा सुनाई गई है, वह 48 वर्षीय महिला से जुड़ा है, जो हसन जिले के होलेनरसीपुरा में रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में सहायिका के रूप में काम करती थी।

पड़ोसियों के परेशान करने पर इंजीनियर ने की आत्महत्या

बेंगलूरु। बेंगलूरु के नल्लूरहल्ली में दो पड़ोसियों द्वारा कथित तौर पर पैसे मांगने तथा परेशान किये जाने के कारण एक इंजीनियर ने निर्माणाधीन इमारत में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में लक्ष्मी गोविंदराजू ने बुधवार को शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने कहा कि उषा नांबियार और शशि नांबियार ने बार-बार उनके बेटे मुरली से संपर्क करके कथित तौर पर संपत्ति विवाद को लेकर 20 लाख रुपये की मांग की। उन्होंने बताया कि मुरली, वर्ष 2018 में खरीदी गई भूमि पर एक घर बना रहे थे।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब मुरली ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो उषा और शशि नांबियार वृहद बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के कुछ कर्मियों के साथ निर्माण स्थल पर पहुंचे और मुरली को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। गोविंदराजू ने बताया कि मुरली तीन दिसंबर की सुबह घर से निकला था और बाद में उसका शव इमारत की दूसरी मंजिल की छत के हुक से लटका पाया गया।

पुलिस ने प्राथमिकी में बताया कि घटनास्थल पर काम करने पहुंचे गणेश नामक एक बढ़ई को मुरली का शव मिला जिसके बाद उसने परिवार को इसकी सूचना दी। गोविंदराजू ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

स्थानीय निकाय चुनावों में मतदान के लिए केरल के कर्मचारियों को छुट्टी दें नियोक्ता : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को राज्य भर के नियोक्ताओं से अनुरोध किया कि वे केरल के कर्मचारियों को सवेतन अवकाश प्रदान करें, ताकि वे अपने गृह राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में मतदान के लिए जा सकें। केरल में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए नौ और 11 दिसंबर को मतदान होना है। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि बड़ी संख्या में केरल निवासी बेंगलूरु और कर्नाटक के अन्य हिस्सों में रहते व काम करते हैं। उन्होंने सभी कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, होटलों, ठेकेदारों, बिल्डरों, दुकान मालिकों और अन्य व्यवसाय संचालकों से आग्रह किया कि वे पात्र मतदाताओं को न्यूनतम तीन दिन का सवेतन अवकाश प्रदान करें।

तमिलनाडु: राज्य सरकार ने कार्तिगई दीपम मुद्दे पर कोर्ट के आदेश को दी चुनौती

मदुरै /दक्षिण भारत। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच के आदेश को चुनौती दी है। सरकार ने अपना बचाव करते हुए कहा है कि जस्टिस स्वामीनाथन ने थिरुपरनकुंद्रम हिल पर सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी में कार्तिगई दीपम जलाने का आदेश अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर दिया है। मदुरै, 4 दिसंबर (आईएएनएस)। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच के आदेश को चुनौती दी है। सरकार ने अपना बचाव करते हुए कहा है कि जस्टिस स्वामीनाथन ने थिरुपरनकुंद्रम हिल पर सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी में कार्तिगई दीपम जलाने का आदेश अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब एक याचिका दायर की गई जिसमें पहाड़ी के लैंप पोस्ट पर पारंपरिक कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति मांगी गई थी।

याचिका पर सुनवाई करते हुए, जज ने निर्देश दिया कि महा दीपम पहाड़ी की चोटी पर जलाया जाए और मंदिर प्रशासन से इंतजाम करने को भी कहा। हालांकि बुधवार सुबह शुरुआती तैयारियां की गई थीं, लेकिन मंदिर अधिकारियों ने अचानक इंतजाम रद्द कर दिए।

इसे वापस लेने पर हिंदू मक्कल काची, अखिल भारत हनुमान सेना, साउथ इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक और दूसरे संगठनों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। याचिकाकर्ता के आग्रह अनुसार लैंप पोस्ट पर दीया जलाने की मांग करते हुए मार्च किया।

हालांकि, मंदिर की परंपरा के मुताबिक, शाम 6 बजे पहाड़ी की चोटी पर उच्चिपिल्लैयार मंदिर के पास दीपम जलाया गया, लैंप पोस्ट पर नहीं।

दिग्गज फिल्म निर्माता एवीएम सरवनन का चेन्नई में निधन

चेन्नई। प्रतिष्ठित एवीएम स्टूडियोज के मालिक और दिग्गज फिल्म निर्माता एम सरवनन का बृहस्पतिवार को चेन्नई में वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। सूत्रों के अनुसार, सरवनन कुछ वर्षों से अस्वस्थ थे। लोकप्रिय रूप से एवीएम सरवनन के नाम से पहचाने जाने वाले निर्माता ने 1946 में स्थापित एवीएम स्टूडियो का कार्यभार 1979 में अपने पिता एवी मय्यप्पन के निधन के बाद संभाला। उनके नेतृत्व में एवीएम एक प्रमुख फिल्म निर्माण कंपनी बनी रही और उन्होंने तमिल, तेलुगु, हिंदी सहित अन्य भाषाओं की फिल्मों में काम किया।

सरवनन ने अपने भाई एम बालसुब्रमण्यम के साथ मिलकर 1950 के दशक से व्यावसायिक तमिल सिनेमा को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। उनकी फिल्में विशेष रूप से 'नानम ओरु पेन' (1963) और 'संसारम अधु मिनसारम' (1986) काफी सराही गईं। मय्यप्पन के निधन के बाद एवीएम प्रोडक्शंस ने अभिनेता रजनीकांत के साथ 1980 में 'मुरट्टु कालई' बनाकर वापसी की। यह फिल्म उस समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बनी और रजनीकांत को सुपरस्टार के रूप में स्थापित करने में सहायक रही। अभिनेता कमल हासन ने भी 1960 में एवीएम द्वारा निर्मित फिल्म 'कलत्तूर कन्नम्मा' से बाल कलाकार के रूप में करियर की शुरुआत की थी।

सरवनन ने एवीएम स्टूडियोज को एक प्रमुख शूटिंग केंद्र बनाए रखा और टेलीविजन धारावाहिकों तथा नये मीडिया प्रारूपों में भी प्रवेश किया। उन्होंने 1986 में मद्रास के शेरिफ के रूप में भी कार्य किया। उनके परिवार में उनके बेटे एम एस गुहान हैं, जो फिल्म निर्माता हैं।

कांग्रेस नेताओं ने ममकूटाथिल के निष्कासन का स्वागत किया, विधायक पद से इस्तीफे की मांग की

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेताओं ने बृहस्पतिवार को पलक्कड़ के विधायक राहुल ममकूटाथिल को पार्टी से निष्कासित किए जाने का स्वागत किया और उनसे विधानसभा सीट से भी इस्तीफा देने का आग्रह किया। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने कहा कि निष्कासन ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की मंजूरी से किया गया।

उन्होंने कहा कि कार्रवाई में थोड़ी देरी प्रक्रियागत आवश्यकताओं के कारण हुई। उन्होंने कहा, उनके लिए विधायक पद से इस्तीफ़ा देना उचित होगा। चूंकि अब वह पार्टी से बाहर हैं, इसलिए उन्हें यह फैसला लेना होगा। हमने सभी पार्टी नेताओं से सलाह-मशविरा किया और एकजुट होकर फैसला लिया।

आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर किसी भी तरह के प्रभाव की चिंताओं को खारिज करते हुए जोसेफ ने कहा कि पार्टी की त्वरित अनुशासनात्मक कार्रवाई से राजनीतिक नुकसान को रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा, जब आरोप पहली बार सामने आए तो उन्हें युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटा दिया गया और निलंबित कर दिया गया। उनके कार्यों से पार्टी की छवि प्रभावित हुई, लेकिन सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। यूडीएफ संयोजक अदूर प्रकाश ने कहा कि ममकूटाथिल को निष्कासित करने के फैसले को पार्टी नेताओं का पूरा समर्थन प्राप्त है।

प्रकाश ने कहा, हमने उन्हें संसदीय दल से पहले ही दरकिनार कर दिया था। अब केपीसीसी अध्यक्ष ने घोषणा की है कि उन्हें बाहर कर दिया गया है। हम सभी इसे स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि ममकूटाथिल के विधायक बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा, वह कांग्रेस के नाम पर चुने गए थे। हालात को देखते हुए उन्हें स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए।

कांग्रेस ने दुष्कर्म के आरोपी विधायक ममकूटाथिल की प्राथमिक सदस्यता रद्द की

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को निलंबित विधायक राहुल ममकूटाथिल की प्राथमिक सदस्यता रद्द करते हुए उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। ऐसा उनके खिलाफ कई गंभीर शिकायतों और यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज होने के बाद किया गया। एक बयान में, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने कहा कि पार्टी ने आरोपों की समीक्षा की है और निर्णय लिया है कि ममकूटाथिल अब संगठन में नहीं रह सकते।

उन्होंने कहा कि विधायक पहले ही निलंबित किये जा चुके हैं। यह कदम स्थानीय अदालत द्वारा यौन उत्पीड़न मामले में ममकूटाथिल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के तुरंत बाद उठाया गया। तिरुवनंतपुरम के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय ने दो दिन तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका खारिज कर दी।

कर्नाटक ने घृणा अपराध, सामाजिक बहिष्कार एवं अन्य मुद्दों पर आठ मसौदा विधेयक मंजूर किए

बेंगलूरु।कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को आठ मसौदा विधेयकों को मंजूरी दी, जिनमें घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध, मवेशी वध पर रोकथाम और उनका संरक्षण तथा सामाजिक बहिष्कार से लोगों की सुरक्षा से संबंधित विधेयक शामिल हैं। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने आठ मसौदा विधेयक मंजूर किए और वे बेलगावी में आगामी कर्नाटक विधानसभा सत्र में पेश किए जायेंगे। मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित विधेयकों में कर्नाटक घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध निवारण विधेयक, बयालुसीमे क्षेत्र विकास बोर्ड (संशोधन) विधेयक, मलनाड क्षेत्र विकास बोर्ड (संशोधन) विधेयक, कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक शामिल हैं। मंत्रिमडल ने श्री चामुंडेश्वरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, कर्नाटक अंतर्देशीय जल परिवहन नियम विधेयक, कर्नाटक मवेशी वध रोकथाम और संरक्षण विधेयक और कर्नाटक सामाजिक बहिष्कार से लोगों का संरक्षण (रोकथाम, निषेध और निवारण) विधेयक को भी मंजूरी दी। 'कर्नाटक घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक, 2025' का उद्देश्य सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने वाली सामग्री के प्रसार, प्रकाशन और प्रचार पर अंकुश लगाना है। इस विधेयक में घृणास्पद भाषण या घृणा से प्रेरित अपराधों में शामिल व्यक्तियों और संगठनों पर दंड

कॉफी

कर्नाटक में चिक्कमगलूर के पास गुरुवार को कॉफी बीन्स तोड़ते मजदूर।

इंडिगो ने रद्द की 42 उड़ानें, यात्री परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंडिगो द्वारा कई उड़ाने रद्द किए जाने के बाद बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि एयरलाइन ने बेंगलूरु हवाई अड्डे से आने-जाने वाली 42 उड़ानें रद्द कर दीं। इंडिगो ने कहा कि यह व्यवधान तकनीकी खराबी, प्रतिकूल मौसम की स्थिति और क्रू रोस्टरिंग नियमों में बदलाव सहित कई कारणों से हुआ। कुछ यात्रियों को घंटों इंतज़ार के बाद अपने गंतव्य तक जाने के लिए उड़ान मिल गई, जबकि कुछ यात्री हवाई अड्डे पर ही फंस गए। बेंगलूरु में रहने वाले यात्री घर चले गए जबकि अन्य को हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा।

सूत्रों के अनुसार, हवाई अड्डे में रेलवे स्टेशन की तरह हालात देखे जा सकते थे, यहां लोगों को जहां जगह मिली वे वहीं बैठ गए। 'ट्रैवल एजेंट' सुधीर पोकर्ना ने कहा कि जिन यात्रियों की उड़ानें रद्द कर दी गईं, उनके लिए भोजन और पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। 'प्रगति कम्युनिकेशन एंड ट्रैवल कनेक्ट' संचालित करने वाले पोकर्ना ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मेरे यात्री यह जानने के लिए लगातार फोन कर रहे हैं कि यह कैसे हुआ। मैं दुविधा में हूं। मुझे नहीं पता कि अब मैं अपने ग्राहकों को क्या जवाब दूं।'' उन्होंने बताया कि कई यात्री हवाई अड्डे पर छह से सात घंटे इंतज़ार करने के बाद घर लौट गए। सूत्रों के अनुसार, अकेले बेंगलूरु में इंडिगो की कम से कम 42 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

यहां एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इंडिगो ने बुधवार को कुल 42 उड़ानें रद्द कीं, जिनमें 22 आगमन और 20 प्रस्थान वाली थीं। संपर्क करने पर, इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी पूरे नेटवर्क में व्यवधान का सामना कर रही है। इंडिगो द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, ''हम स्वीकार करते हैं कि पिछले दो दिनों से पूरे नेटवर्क में इंडिगो का परिचालन काफी बाधित रहा है और हम अपने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए उनसे क्षमा मांगते हैं।''

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. वाई-ई-29-2025-26-67 दिनांक 28.11.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1.	अरसीकेरे, बीरूर, चिक्कजाजुर, तोलहणसे, मैसुरू (मैसुरू-वाई, मैसुरू-चामराजनगर), हासन (हासन-बागेशपुरा) शिवमोग्गा टाउन (बिरूर-कुमसी) और हावेरी (चलगेरी-कोलाघाट) डिपो में दो वर्षों की अवधि के लिए ओएचई एवं पीएसआई कार्यकलापों की आउटसोर्सिंग।	रु. 23,96,25,759.36/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 22.12.2025 को 11.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/मैसूरू
PUB/701/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

सर्दी ने जोर पकड़ा, फतेहपुर में तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस

जयपुर। राजस्थान में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है और फतेहपुर में बुधवार रात न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य के अनेक हिस्सों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है। मौसम केंद्र के अनुसार बुधवार रात फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस, लूणकरणसर में 2.9 डिग्री, सीकर में 3.8 डिग्री, नागौर में 4.0 डिग्री, चुरू में 4.7 डिग्री, दौसा में 4.8 डिग्री, अलवर में 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र ने बताया कि राज्य के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहेगा। इसके अनुसार आगामी दिनों में राज्य के उत्तरी भागों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की और गिरावट होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के शेखावाटी क्षेत्र में कहीं-कहीं न्यूनतम तापमान 3-5 डिग्री सेल्सियस होने व कहीं-कहीं शीतलहर की संभावना है। वहीं राज्य के शेष भागों में आगामी दिनों में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहने की संभावना है।

तकनीकी पर्यवेक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बृहस्पतिवार को अजमेर जिले में एक तकनीकी पर्यवेक्षक को कथित रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, सहायक अभियन्ता कार्यालय केकड़ी के तकनीकी पर्यवेक्षक नाथूलाल महावर को गिरफ्तार किया गया है। एसीबी ने एक बयान में बताया कि आरोपी ने परिवादी को 'सूर्यघर पीएम योजना' के तहत स्वीकृति राशि जारी करने के एवज़ यह रिश्वत मांगी थी। ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर आज जाल बिछाकर कार्रवाई की और आरोपी तकनीकी पर्यवेक्षक महावर को 14,000 रुपये की कथित रिश्वत लेते पकड़ लिया। एसीबी इस संबंध में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे जांच कर रही है।

एसयूवी के नदी में गिरने से दो महिलाओं की मौत

जयपुर। टोंक जिले में बुधवार देर रात एक एसयूवी के नदी में गिरने से एक ही परिवार की दो महिलाओं की मौत हो गई और पांच अन्य सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पीपलू के थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि यह हादसा ढूंढिया गांव के पास हुआ। बुधवार रात सात लोगों को ले जा रही एसयूवी एक टूटी हुई पुलिया से फिसलकर नदी में गिर गई। वाहन में सवार लोग अजमेर जिले के रहने वाले थे और बुधवार सुबह सवाई माधोपुर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर के दर्शन कर लौट रहे थे। अधिकारी ने कहा, ''पुलिया से नीचे उतरने के बाद कोई अवरोधक नहीं थे। वाहन सीधा नदी में चला गया और लगभग आधा डूब गया। स्थानीय ग्रामीणों ने गाड़ी के शीशे तोड़कर उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि सभी सात लोगों को अस्पताल ले जाया गया जहां दो महिलाओं सुप्यार (45) और मंजू (50) की मौत हो गई। घायलों का उपचार हो रहा है।

मतदाताओं की मैपिंग में राजस्थान पूरे देश में सबसे आगे है: निर्वाचन अधिकारी

जयपुर। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर)2026 में राजस्थान देशभर में अग्रणी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह दावा किया। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल पांच करोड़ 46 लाख 56,215 गणना प्रपत्रों में से पांच करोड़ 43 लाख से अधिक प्रपत्रों को सफलतापूर्वक ईसीआई-नेट पर अपलोड कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि इस तरह से प्रक्रिया में 99.5 प्रतिशत काम समय सीमा से पहले पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा राज्य की डिजिटल क्षमता और बेहतर समन्वय का प्रमाण है। महाजन का कहना है कि मतदाताओं की मैपिंग में राजस्थान 95 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि के साथ पूरे देश में सबसे आगे है। राज्य के नौ विधानसभा क्षेत्र में 99 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो चुकी है। इनमें कपासन, बायतु, सलूंबर, लोहावट, नगर, सिकराय, ओसियां, शाहपुरा एवं बामनवास शामिल हैं।

राजस्थानी मूल के अधिकारियों का राज्य को निवेश का हब बनाने में अहम योगदान : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊंचाईयां छू रहा है और राज्य सरकार की मंशा है कि प्रदेश की इस प्रगति यात्रा में प्रवासी राजस्थानियों की सक्रिय भागीदारी हो। इसी अनुरूप राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन करने जा रही है, जिसके लिए हर क्षेत्र से भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। शर्मा ने विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अखिल भारतीय एवं विभिन्न केन्द्रीय सेवा अधिकारियों को आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान को निवेश का हब बनाने में इनकी अहम भूमिका है। इन अधिकारियों के अनुभव, सुझाव और संपर्क राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अखिल भारतीय एवं विभिन्न केन्द्रीय सेवा अधिकारियों के साथ प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन, ऊर्जा, पानी, बिजली, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में राज्य सरकार निरन्तर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष राज्य सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया था। इस समिट में 35 लाख करोड़ रूपये के एमओयू किए गए थे, जिनमें से 7 लाख करोड़ रूपये के विभिन्न कार्यों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अधिकारियों का अपनी कर्मभूमि के साथ ही जन्मभूमि से भी भावनात्मक जुड़ाव रहता है। इन अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विभिन्न नवाचार किए हैं। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी राज्य सरकार और प्रवासी राजस्थानियों के बीच एक मजबूत सेतु हैं। उन्होंने इन अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रवासी राजस्थानी, उद्यमियों और निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आग

जयपुर के करतारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में एक आइसक्रीम फैक्ट्री में लगी आग को फायरफाइटर्स बुझाते हुए।

ऊर्जा क्षेत्र के लिए विशेष सत्र का आयोजन, नीतियों और कार्यक्रमों पर होगा सार्थक संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन के मामले में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है और इस क्षेत्र में यहां बड़े स्तर पर निवेश भी आ रहा है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर जयपुर में आगामी 10 दिसम्बर को होने जा रहे प्रवासी राजस्थानी दिवस2025 में ऊर्जा क्षेत्र पर विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा।

पॉलिसी टू प्रैक्टिस 'द इवोल्विंग रोल ऑफ बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम इन रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन' विषय पर आयोजित इस सत्र में रिन्यूएबल एनर्जी में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (इएड्ड) की बढ़ती भूमिका और बदलावों पर विचार - विमर्श किया जाएगा। राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी में अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है और भारत क्लीन एनर्जी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में बदलते समय के अनुरूप सरकारी नीतियों, प्रौद्योगिकी और उद्योग के बीच सामंजस्य आवश्यक है। इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के लिए विशेष सत्र में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे।

रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट और इनोवेशन पर रिन्यू पावर लिमिटेड के चेयरमैन सुमंत सिन्हा, सेरेनटिका रिन्यूएबल्स के सीईओ अक्षय हीरानंदानी और ब्रुकफील्ड रिन्यूएबल्स के सीईओ सुमन कुमार अपने विचार व्यक्त करेंगे। इन विशेषज्ञों ने रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने और आधुनिक तकनीक को इसके साथ जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पतालों पर रहेगी कड़ी नजर : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन पर अब कड़ी नजर रहेगी। सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षकों के कामकाज का नियमित रूप से आकलन किया जाएगा। मानकों में खरा नहीं उतरने तथा स्वास्स्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की खामी सामने आने पर सीधे तौर उन्हें उत्तरदायी माना जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरूवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य आमजन के जीवन से जुड़ा सबसे संवेदनशील विषय है, इसमें किसी भी स्तर पर कोताही की कोई गुंजाइश नहीं है। सभी चिकित्सा अधिकारी अपना कार्य पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ करें, अन्यथा नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। मानव संसाधन की कमी हो तो तुरंत बताएं, लेकिन स्वास्थ्य सेवाएं बाधित नहीं हो चिकित्सा मंत्री ने कहा कि किसी भी अस्पताल में चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ की कमी के कारण कोई भी स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो रही है, तो तत्काल प्रभाव से इस संबंध में अवगत कराएं, लेकिन ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिए कि मानव संसाधन के अभाव में स्वास्थ्य सेवाएं बंद रहें। उन्होंने इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी तुरंत किए जाने के निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि अस्पतालों में पार्किंग, सुरक्षा और साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई उच्च स्तरीय हो, इसके लिए नई सोच के साथ काम किया जाए। साथ ही, अस्पतालों में सुरक्षा पर विशेष फोकस रहे। इसके लिए आवश्यकतानुसार सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग एवं सेवाएं ली जाएं। उन्होंने कहा कि अस्पताल के रख-रखाव एवं प्रबंधन के मानकों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं हो।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि बडे. अस्पतालों में स्थानीय निवासियों के साथ ही प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों से रोगी आते हैं। ऐसे में उनके खान-पान, ठहरने आदि की समुचित व्यवस्था होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में ही रोगियों एवं उनके परिजनों को वाजिब दरों पर क्वालिटी फूड मिले, इसके लिए फूड कोर्ट की स्थापना आवश्यक रूप से की जाए। सभी अस्पतालों में जल्द ही इसके लिए स्थान चिन्हित कर जल्द प्रक्रिया शुरू की जाए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए समय-समय पर निरीक्षण किए जाते हैं। आने वाले समय में मिशन मोड में अस्पतालों का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर स्वास्थ्य सेवाओं में राजस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

चिकित्सा शिक्षा सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पताल यह सुनिश्चित करें कि अनावश्यक रूप से रेफरल नहीं हो। कई बार देखा जाता है कि कई अस्पताल सामान्य बीमारियों या जटिलता नहीं होने के बावजूद रोगियों को एसएमएस अस्पताल, जेके लोन, महिला अस्पताल या अन्य बडे. अस्पतालों में रेफर कर देते हैं, इससे कुछ अस्पतालों पर मरीज भार बढ़ता है और कुछ अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं को पूरा उपयोग नहीं हो पाता।

उन्होंने सख्त हिदायत दी कि अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम उपयोग हो। श्रीमती राठौड़ ने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञ सिर्फ उपचार तक ही सीमित नहीं रहें, बल्कि शोध एवं अनुसंधान पर भी काम कर राजस्थान का गौरव बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आने वाले रोगियों के साथ संवेदनशील व्यवहार हो। अपना परिवार समझकर रोगियों का ख्याल रखें। उन्होंने हाउसकीपिंग पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इसके लिए अच्छी एजेंसियों का चयन कर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जाए।

खनिज उत्पादन और रायल्टी ट्रेंड का होगा नियमित विश्लेषण, माइनिंग सेक्टर को मिलेगी नई गति : टी. रविकान्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । माइंस विभाग द्वारा अब खानों में खनन उत्पादन और रायल्टी ट्रेंड का भी विश्लेषण किया जाएगा। ताकि खनिज उत्पादन के उतार चढ़ाव पर निगरानी रखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर की विकास दर को और अधिक गति दी जा सके। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया है कि यह जिम्मेदारी वृत स्तर पर विभाग के अधीक्षण खनि अभियंताओं को दी गई है। वृत अधीक्षण खनि अभियंता प्रतिमाह चार से पांच खानों में उत्पादन के उतार-चढ़ाव का विश्लेषण करेंगे और आवश्यकता होने पर ड्रोन सर्वे के माध्यम से भी सत्यापन करवाया जा सकेगा। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने यह निर्देश विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही आरसीसी-ईआरसीसी रायल्टी वसूली के आंकड़ों का भी अधीक्षण खनि अभियंताओं द्वारा विश्लेषण किया जाएगा ताकि रायल्टी वसूली की प्रभावी मोनेटरिंग संभव हो सके। उन्होंने कहा कि नियमित विश्लेषण से खानधारकों और सरकार दोनों को खनिज उत्पादन में कमी-ज्यादा के कारणों, मांग और आपूर्ति और भविष्य की संभावनाओं को समझने में आसानी होगी। इससे खानधारकों और सरकार दोनों को ही माइनिंग सेक्टर की भविष्य की संभावनाओं का संकेत मिल सकेगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान को माइनिंग सेक्टर में अग्रणी और नवाचारी प्रदेश बनाना चाहते हैं इसलिए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर में बहुआयामी दिशाओं में कार्य करते हुए नित नए आयाम भी स्थापित होने लगे हैं।

टी. रविकान्त ने कहा कि हमारी टिप्स में होना चाहिए कि यदि खनन उत्पादन किसी माह विशेष में कम हो रहा है तो इसके कारण क्या है या फिर खनन की तुलना में रायल्टी में कमी बेशी के कारण क्या है। एक तरह से यह रिसर्च ओरियंटेड कार्य होने के साथ ही माइनिंग सेक्टर को और अधिक गतिशील बनाने में सहायक होगा। इसके साथ ही फील्ड पर अधिकारियों की सक्रियता से वैध खनन को बढ़ावा और अवैध खनन पर रोक भी संभव हो पायेगी।

निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि फील्ड अधिकारियों को अधिक सक्रियता से कार्य करने के निर्देश देने के साथ ही विभागीय मोनेटरिंग व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। वर्चुअल बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, योगेन्द्र सिंह सहवाल, वितीय सलाहकार सुरेश जैन, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी सुनील वर्मा, एसएमई में एनएस शक्तावत, देवेन्द्र गौड़, एसपी शर्मा, ओपी काबरा, अविनाश कुलदीप, सुनील शर्मा, एनके बैरवा सहित एमई, एएमई स्तर के फील्ड अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

प्राकृतिक ज्ञान परंपरा और आधुनिक प्रौद्योगिकी का एकीकरण समय की आवश्यकता : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान तभी पूर्णता प्राप्त करेगा जब वह भारतीय ज्ञान परम्परा और प्राचीन वैज्ञानिक अवधारणाओं के साथ समन्वित रूप से आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान के क्षेत्र में प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक दृष्टि और आधुनिक शोध की सम्मिलित दिशा नवाचार तथा मानव कल्याण के नए आयाम प्रस्तुत कर सकती है। बागड़े गुरुवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग (यूजीसी-सीएस) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी ठशलशपीं खपर्पीरींळेपी ळप उशश्रश्रीश्ररी रपव चेश्रशलीश्ररी इळेश्रेसू: एशीसळपस खपीळसहीीं रपव -श्रिळलरींळेपी को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि पेड़-पौधे संवेदनशील जीव हैं, वे ताप,आर्द्रता, प्रकाश, रोग तथा पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। उन्होंने कहा कि पौधों में जीवन, चेतना और संवेदनाएँ विद्यमान होती हैं, तथा वे विभिन्न परिस्थितियों के अनुरूप वैज्ञानिक ढंग से कार्य करते हैं। उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि वृक्ष अपनी जड़ों द्वारा जल ग्रहण करते हैं और रोग होने पर जड़ों में औषधि के प्रयोग से उपचार संभव होता है, जो उनकी संवेदनात्मक एवं जीववैज्ञानिक संरचना का स्पष्ट संकेत है।

राज्यपाल ने वैदिक काल से भारत में वनस्पति विज्ञान की उन्नत परंपरा का उल्लेख करते हुए महर्षि पाराशर के 'वृक्ष आयुर्वेद' का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि प्रोटोप्लाज्म, कोशिका झिल्ली तथा ऊर्जा निर्माण के तत्वों का वर्णन प्राचीन भारतीय ग्रंथों में मिलता है, जिनकी वैज्ञानिक पुष्टि सैकड़ों वर्ष बाद आधुनिक विज्ञान ने की। यह भारतीय वैज्ञानिक विरासत के गहन अध्ययन की आवश्यकता को सिद्ध करता है।राज्यपाल ने कहा कि डीएनए, आरएनए, प्रोटीन संरचना एवं आणविक तकनीकों के वर्तमान शोध में भारतीय पारंपरिक वनस्पति व्याख्या उपयोगी आधार प्रदान कर सकती है। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से आग्रह किया कि वे भारतीय ज्ञान परम्परा और आधुनिक तकनीक के समन्वित अध्ययन के लिए अनुसंधान-आधारित शैक्षणिक ढांचा विकसित करें। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि विश्वविद्यालय के पादप विज्ञान विभाग में प्राचीन वनस्पति शोध और आधुनिक आणविक अध्ययन का एकीकृत शोध कार्यक्रम प्रारंभ किया जाए। राज्यपाल ने पर्यावरणीय परिवर्तन, ऊर्जा संकट और जैविक विविधता संरक्षण की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन समस्याओं के समाधान में कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से आग्रह किया कि वे भविष्यगत आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए शोध के मूल्यों को समाजहित और प्रकृति संरक्षण के साथ जोड़ें।

कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय की शादी में संजय दत्त सहित कई सेलिब्रिटी होंगे शामिल

जयपुर। जयपुर में 5 दिसंबर को होने वाले कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय के विवाह समारोह की रस्में आज से शुरू हो गई हैं। गुरुवार को ताज आमेर होटल में मेहंदी और हल्दी की रस्म आयोजित की जा रही है। शाम को संगीत का भव्य कार्यक्रम भी होगा, जिसमें बॉलीवुड सिंगर बी-प्राक सहित कई चर्चित चेहरे शामिल होने की संभावना है। जया किशोरी पहुंचीं समारोह में बुधवार को मायरा और भात की रस्म के साथ शादी की तैयारियां औपचारिक रूप से शुरू हुईं। इस कार्यक्रम में कथावाचक जया किशोरी भी शामिल हुईं। भात की रस्म के बाद सिंगर मान्या अरोड़ा ने इंद्रेश उपाध्याय के साथ भजन प्रस्तुत किए। इंद्रेश उपाध्याय शुक्रवार को हरियाणा के यमुनानगर निवासी शिप्रा शर्मा के साथ सात फेरे लेंगे। इंद्रेश और उनका परिवार बुधवार रात जयपुर पहुंच गया था। होटल के कुंदन वन में भात की रस्म संपन्न हुई। समारोह में सिंगर बी-प्राक, अभिनेता संजय दत्त सहित कई सेलिब्रिटीज के शामिल होने की संभावना है। विवाह पूरी तरह वैदिक रीति-रिवाज से होगा। मुख्य विवाह समारोह शुक्रवार सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा। विवाह के लिए तैयार कराए गए निमंत्रण पत्र के साथ वृंदावनधाम के प्रमुख मंदिरों का विशेष प्रसाद भी भेजा गया है। इसमें राधारमणजी से मिला मिश्री-इलायची प्रसाद, तुलसी और अन्य मंदिरों से लड्डु शामिल हैं।शादी को लेकर ताज आमेर होटल में तैयारियां पूरी तरह चरम पर हैं और आज के मेहंदी-संगीत समारोह में सेलिब्रिटीज की मौजूदगी से आयोजन और भी खास होने वाला है।

नीतीश ने बिहार विधानसभा में प्रधानमंत्री की तारीफ की, विधायकों से भी ऐसा करने के लिए कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी सरकार को मिल रहे सहयोग का उल्लेख करते हुए बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने राज्य विधानसभा के सदस्यों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए हाथ उठाएं। उन्होंने राज्यपाल द्वारा दोनों सदनों के संयुक्त अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान यह बात कही।

लगातार पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड बना चुके कुमार ने अपने पिछले 20 वर्ष के शासनकाल में राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए प्रयासों के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने 20 मिनट के भाषण के अंत में उन्होंने कहा, राज्य के विकास के लिए हमें केंद्र सरकार से पूरा सहयोग मिल रहा है। जुलाई 2024 में पेश किए गए बजट में केंद्र ने सड़कों, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण को लेकर विशेष वित्तीय सहायता दी। उन्होंने कहा, इसके बाद फरवरी 2025 में पेश किए गए बजट में मखाना बोर्ड स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया, साथ ही हवाई अड्डे बनाने और पश्चिम कोसी नहर परियोजना के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की गई। इसी साल बिहार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी का अवसर भी मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा, इन सभी चीजों के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सलाम करता हूं। मैं सभी सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे हाथ उठाकर ऐसा करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कई बार बिहार आए हैं और कई परियोजनाओं की शुरुआत की है।

कुमार ने कहा, अब राज्य के तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद है। अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। सभी क्षेत्रों में काम और तेजी से आगे बढ़ेगा।

अपनी सीट पर बैठने से पहले उन्होंने विपक्ष के सदस्यों की ओर इशारा करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देने के लिए हाथ नहीं उठाए। उन्होंने कहा, आप लोग ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? दो-तीन बार मैं आप लोगों के साथ हो गया था। लेकिन जब आपने शरारतें शुरू कर दीं, तो मैं अलग हो गया। अब मैं (एनडीए) छोड़ने वाला नहीं हूं।

यह सुनकर सदन में जोरदार ठहाके गूंज उठे।

साल 1990 के दशक से भाजपा के सहयोगी रहे कुमार ने पिछले दस वर्ष में राजदकांग्रेस गठबंधन के साथ दो बार सरकार बनाई, लेकिन दोनों बार सरकार ज्यादा समय तक नहीं चलीं।

बाद में, उन्होंने विधान परिषद में भी सदस्यों से यही अपील की। कुमार विधान परिषद के सदस्य हैं।

वहीं दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के नेतृत्व में विपक्ष ने नाराजगी जताई कि सभापति ने उन्हें धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने की अनुमति नहीं दी।

विपक्ष के अनुसार उन्हें यह बताते हुए रोक दिया गया कि उनके प्रस्तावित संशोधनों को ही उनकी ओर से दिए गए सुझावों के रूप में माना जाएगा।

विधानसभा में चर्चा करीब दो घंटे चली और अंत में सरकार की ओर से उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने जवाब दिया।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि वह उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की तर्ज पर बिहार में बुलडोजर राज कायम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, बिहार सुशासन के लिए जाना जाता है, जिसके नीतीश कुमार पर्याय बन चुके हैं। यहां बुलडोजर कोई मुद्दा नहीं है। मेरा नाम सम्राट चौधरी है और यह तय समझिए कि मैं बुलडोजर का प्रतीक नहीं हूं। हां, अवैध कब्जों पर कार्रवाई हो रही है, जो अदालत के निर्देशों के अनुसार की जा रही है।

वन क्षेत्रों का विनाश नहीं रोका गया तो मणिपुर को करना पड़ सकता है अस्तित्व के संकट का सामना : बीरेन

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि यदि जंगलों को व्यापक स्तर पर हो रहे नुकसान के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो राज्य को अस्तित्व के संकट का सामना करना पड़ सकता है।

कांगपोकपी में कथित रूप से अवैध पोस्त (पॉपी) की खेती और वनों की कटाई का एक वीडियो साझा करते हुए सिंह ने कहा कि यह वीडियो दिखाता है कि राज्य में बार-बार बाढ़ क्यों आ रही है। उन्होंने कहा, ''यह फुटेज कांगपोकपी जिले के टी. वाइचोंग उप मंडल के अंतर्गत आईटी-रोड के कोलटेन और सेल्सी हिल रेंज में पोस्ता की खेती को दर्शाता है। एक ओर हम एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हैं, दूसरी ओर हमारे सारे जंगल नष्ट हो रहे हैं। हमारे किसी भी नेता ने बड़े पैमाने पर हो रहे इस विनाश के खिलाफ आवाज नहीं उठाई है।''

कोविंद ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को भारत के विकास के लिए परिवर्तनकारी बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा को लागू करना देश के विकास के लिए परिवर्तनकारी साबित होगा।

देश में एक साथ चुनाव को लेकर केंद्र सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष रहे कोविंद आज छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में अटल बिहारी वाजपेयी विवि के छठे दीक्षांत समारोह में शामिल होने से पहले रायपुर हवाई अड्डे पर बात कर रहे थे। इस दौरान कोविंद ने जोर देकर कहा कि देश में एक साथ चुनाव कराने से प्रशासनिक संसाधन बचेंगे और शिक्षा व्यवस्था में बार-बार होने वाली रुकावटों को रोका जा सकेगा। देश में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी अध्यक्षता वाली समिति ने रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी है, जिसके बाद सरकार ने 2024 में लोकसभा में दो संबंधित विधेयक पेश किए। उन्होंने कहा कि दोनों विधेयक अब संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिए गए हैं, जो उनकी जांच कर रही है। हर साल राज्यों में बार-बार होने वाले चुनाव प्रशासनिक संसाधन, खासकर शिक्षकों पर भारी बोझ डालते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं मीडिया के ज़रिए अपने देशवासियों को बताना चाहता हूं कि अगर यह अवधारणा (एक राष्ट्र, एक चुनाव) देश में लाई जाती है, तो यह परिवर्तनकारी साबित होगी। भारत के विकास के लिए परिवर्तनकारी होगी। कोविंद ने कहा, मौजूदा चुनाव व्यवस्था में, हर साल पूरे भारत में चार या पांच राज्यों में चुनाव होते हैं, और पूरा प्रशासनिक तंत्र इसमें लग जाता है। इससे खासकर बच्चों की पढ़ाई को सबसे ज्यादा नुकसान होता है, क्योंकि शिक्षक चुनाव के काम में लगे रहते हैं। ज़ाहिर है, अगर वे इन सब चीजों में लगे रहते हैं, तो वे पढ़ाने के लिए समय नहीं दे पाते हैं।''

ओडिशा सरकार ने 'धनु जात्रा' के लिए एक करोड़ रुपए मंजूर किए

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने बारगढ़ की 'धनु जात्रा' के लिए बुधवार को एक करोड़ रुपए मंजूर किए। इस कार्यक्रम के दौरान 11 दिनों तक भगवान कृष्ण के जीवन का मंचन किया जाता है और इस दौरान पूरा शहर एक खुला रंगमंच बन जाता है।

ओडिया भाषा, साहित्य एवं संस्कृति मंत्री सूर्यवंशी सूरज की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

महोत्सव की शुरुआत 24 दिसंबर को होगी और इसका आयोजत तीन जनवरी तक किया जाएगा। सूरज ने बताया कि बैठक में महोत्सव में भाग लेने वाले लगभग 200 कलाकारों को 10-10 हजार रुपए का पुरुस्कार देने का भी निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि ओडिशा परिबार निदेशालय पूरे देश में महोत्सव का लाइव प्रसारण कराएगा।

सूरज ने बताया कि शहर के प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर धनु जात्रा थीम पर आधारित स्वागत द्वार बनाए जाने का भी निर्णय लिया गया और उत्सव के दौरान भुवनेश्वर तथा पुरी से बारगढ़ के लिए विशेष पर्यटक बसें चलाई जाएंगी।

मंत्री ने कहा कि महोत्सव के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए एक समर्पित वेबसाइट भी स्थापित की जाएगी, जिसमें कार्यक्रम के वीडियो, प्रमुख स्थल, होटल, पार्किंग क्षेत्र, स्थल का विवरण समेत अन्य जानकारियां शामिल होंगी। इस त्यौहार के दौरान, भगवान कृष्ण के जीवन की कहानी के मंचन के साथ, बारगढ़ शहर मानो 'मथुरा नगरी' में तब्दील हो जाता है।

हिंदू देवी-देवताओं पर रेवंत रेड्डी की टिप्पणी को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के हिंदू देवी-देवताओं पर दिए गए बयान को लेकर बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और मांग की कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ें और साफ करें कि क्या वह 'जिहाद' के साथ खड़े दिखना चाहते हैं।

तेलंगाना में सत्ताधारी कांग्रेस की कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए, रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलती है और अलग-अलग सोच वाले लोग इसमें हैं।

यह बात उन्होंने हिंदू धर्म से तुलना करते हुए की और कहा कि भक्त कई भगवानों की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा, ''हिंदुओं के कितने भगवान हैं? तीन करोड़? जिनकी शादी नहीं हुई है उनके लिए हनुमान हैं। जिनकी दो बार शादी हुई है उनके लिए एक और भगवान हैं।'' इस टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए भाजपा सांसद संबित पात्रा ने रेड्डी के बयान को 'सनातन विरोधी' बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर इस मामले पर अपनी स्थिति साफ करने को कहा।

पात्रा ने मांग की कि राहुल गांधी को लोकसभा में समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी के बयान पर भी अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए।

नदवी ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संपत्ति के पंजीकरण से जुड़ा मुद्दा उठाते एक शब्द का इस्तेमाल किया, जिसे बाद में सदन की कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया गया।

भूमि के बदले नौकरी 'घोटाला' मामले में लालू और अन्य पर आरोप तय करने संबंधी फैसला टला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य व्यक्तियों से जुड़े जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में आरोप तय करने संबंधी अपना फैसला बृहस्पतिवार को टाल दिया।

विशेष सीबीआई न्यायाधीश विशाल गोगने ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह मामले के आरोपियों की स्थिति की पुष्टि करने के बाद एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करे। मामले में 103 आरोपियों में से चार की मौत हो चुकी है।

न्यायाधीश गोगने ने विस्तृत सुनवाई के लिए मामले को आठ दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया।

सीबीआई ने लालू यादव, उनकी पत्नी व बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनके बेटे व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ कथित घोटाले के संबंध में आरोपपत्र दाखिल किए थे।

अभियोजन पक्ष का आरोप है कि 2004 से 2009 के बीच लालू यादव के रेल मंत्री रहते हुए मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित रेलवे के पश्चिम मध्य मंडल में ग्रुप-डी श्रेणी की नियुक्तियां की गईं और इसके बदले नियुक्ति पाने वाले लोगों ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख के परिवार या उनके सहयोगियों को भूखंड उपहार में दिए या हस्तांतरित किए थे।

सीबीआई ने यह दावा भी किया है कि ये नियुक्तियां नियमों का उल्लंघन करते हुए की गईं।

'जल जीवन मिशन' संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई होगी : पाटिल

प्रधानमंत्री हर घर जल पहुंचाने को प्रतिबद्ध

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि 'जल जीवन मिशन' को लेकर सांसदों की तरफ से जो शिकायतें आई हैं, उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस योजना में किसी भी तरह की गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जाएगी।

पाटिल ने यह भी बताया कि 'जल जीवन मिशन' के तहत अब तक 15 करोड़ घरों में पानी पहुंचा दिया गया है तथा चार करोड़ और घरों में पानी पहुंचाने का काम जारी है। उनका कहना था कि इस बार भी योजना के लिए 67 हजार करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। मंत्री ने कहा कि कई सांसदों द्वारा शिकायतें की गई हैं, जिन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया है कि हर घर में पानी देना पड़ेगा, सिर्फ नल डालकर छोड़ देंगे तो कार्रवाई होगी।'' पाटिल ने कहा कि कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

मेरा नाम सम्राट चौधरी है, बुलडोज़र बाबा नहीं : सम्राट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका नाम न तो बुलडोजर बाबा'' है और न ही बुलडोज़र'' से उनका कोई संबंध है। उन्होंने कहा, ''मैं केवल सम्राट चौधरी के नाम से ही जाना जाता हूं।''

विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर सरकार का पक्ष रखते हुए चौधरी ने सख्त लहजे में कहा कि जो लोग मीडिया या सार्वजनिक मंचों पर गाली-गलौज करेंगे, उन्हें जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कानून स्पष्ट है और ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण हटाने की चल रही कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया न्यायालय के आदेश पर की जा रही है । उपमुख्यमंत्री ने कहा,''कोई माफिया नहीं बचेगा, सब पर कार्रवाई होगी।'' उन्होंने दोहराया कि अतिक्रमण मुक्त अभियान का मकसद केवल कानून के शासन को स्थापित करना है और इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा। इससे पहले राज्यपाल के अभिभाषण पर अपनी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का पक्ष रखते हुए विधायक कुमार सर्वजीत ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर अतिक्रमण-विरोधी कार्रवाई को लेकर निशाना साधते हुए उन्हें मीडिया में 'बुलडोज़र बाबा' से संबोधित किए जाने का मुद्दा उठा दिया।

सर्वजीत ने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज हुई है, जिसका सबसे अधिक असर गरीबों और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि पत्रकार साथी अखबारों और टीवी चैनलों पर उन्हें बुलडोज़र बाबा कहकर संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने व्यंग्य किया, ''सम्राट चौधरी के पिता ने उनका नाम सोच-समझकर रखा था, लेकिन पत्रकारों ने उनका नाम ही बदल दिया है।'' राजद विधायक ने बताया कि जब उन्होंने पत्रकारों से पूछा कि उपमुख्यमंत्री को 'बुलडोज़र बाबा' किसने बना दिया, तो जवाब मिला कि ''गरीबों की झोपड़ियां उजड़ रही हैं, इसलिए यह नाम पड़ा है।''

असम सरकार ने प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े साहित्य पर प्रतिबंध लगाया

गुवाहाटी/भाषा। असम सरकार ने जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी), अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) और इसी तरह के अन्य प्रतिबंधित या उनसे संबंधित कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े सभी साहित्य, दस्तावेज, सामग्री एवं डिजिटल सामग्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। राज्य सरकार चरमपंथी या 'जिहादी' सामग्री का प्रसार करने वाली वेबसाइट, सोशल मीडिया पेज, एन्क्रिप्टेड चैनल, ऑनलाइन ग्रुप और डिजिटल मंच पर भी इसी तरह का प्रतिबंध लगा दिया है।

यह प्रतिबंध राज्यपाल के आदेश पर राजनीतिक (ए) विभाग की ओर से जारी एक अधिसूचना के आधार पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 98 के तहत लगाया है। यह अधिसूचना सहायक पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) के प्रस्ताव और न्यायिक विभाग के अवलोकन पर आधारित थी। अधिसूचना में कहा है कि जेएमबी, एबीटी, अंसार-अल-इस्लाम/ एक्यूआईएस के समर्थक और अन्य संबद्ध समूहों पर केंद्र सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है क्योंकि ये ''भारत की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में लगे आतंकवादी संगठन हैं''।

मस्जिदों, मदरसों में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएं : अरुण गोविल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा सांसद अरुण गोविल ने मस्जिदों और मदरसों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग करते हुए कहा कि ये भी बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है।

उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि वर्तमान में देशभर में मंदिर, चर्च, गुरुद्वारे, कॉलेजों, अस्पतालों, बाजारों और अधिकांश सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जा चुके हैं। गोविल ने कहा कि ये कैमरे पारदर्शिता, सुरक्षा और अपराध निरोध में महत्वपूर्ण साबित हुए हैं, ''लेकिन मस्जिदों और मदरसों में अब भी यह व्यवस्था लागू नहीं है'' जबकि ये भी बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां सुरक्षा सुनिश्चित करना उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''इस्लाम धर्म के जन्म स्थान सउदी अरब के मक्का और मदरसों में सुरक्षा कारणों से सीसीटीवी कैमरे लगाये गए हैं। यदि वहां सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह व्यवस्था अपनाई जा सकती है तो भारत में समान सुरक्षा मानकों को लागू करने में संकोच क्यों है?'' उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह मस्जिदों और मदरसों में भी मंदिरों, स्कूलों, चर्च तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों की तरह सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य करने के लिए समान राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाने पर विचार करे। भाजपा सांसद ने कहा कि यह कदम किसी धर्म के विरुद्ध नहीं है बल्कि राष्ट्र के 140 करोड़ नागरिकों की सुरक्षा के हित में होगा।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर की इंफाल घाटी में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि बुधवार को इंफाल पश्चिम जिले के लोइटैंग सांडुम हिल से एक .303 राइफल, एक डबल-बैरल बंदूक, एक सिंगल-बैरल बंदूक और एक नौ एमएम की पिस्तौल बरामद की गई।

बरामद किए गए अन्य सामानों में 118 कारतूस, एक हथगोला, आठ डेटोनेटर, विभिन्न प्रकार की आठ मैगजीन आदि शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के केइराओ वांगखेम के पास नगरियान हिल की तलहटी से 12-बोर की एक सिंगल-बैरल बंदूक, मैगजीन के साथ एक नौ एमएम एसएमजी कार्बाइन, दो हथगोले और लगभग दौ किलोग्राम वजन का एक आईईडी बरामद किया गया।

शराब के लिए पैसे न देने पर मां को आग के हवाले किया

भद्रक (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले में एक बुजुर्ग महिला पर उसके बेटे ने कथित तौर पर हमला किया और उसे आग के हवाले कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना तिहिडी पुलिस सीमा के अंतर्गत गलगंडा गांव में हुई।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान देबाशीष नायक (45) के रूप में हुई है। आरोपी मादक पदार्थों का सेवन करने का आदी है। वह कथित तौर पर अपनी मां को आग लगाने के बाद मौके से फरार हो गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, देबाशीष ने अपनी मां ज्योत्सनारानी नायक (65) से शराब खरीदने के लिए पैसे मांगे थे। जब उसने पैसे देने से मना कर दिया तो आरोपी ने कथित तौर पर उस पर हमला कर दिया। स्थानीय निवासियों के हवाले से पुलिस ने बताया कि जब वह बेहोश हो गई, तो देबाशीष ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। तिहिडी पुलिस थाने के प्रभारी सत्यब्रत ग्रहराज ने बताया, जब पड़ोसी महिला की चीखें सुनकर मौके पर पहुंचे तो आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि महिला को पहले भद्रक जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया और बाद में उसकी हालत बिगड़ने पर उसे कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

जिन्होंने कुछ खास हासिल नहीं किया, वे रोहित-कोहली के भविष्य का तय कर रहे हैं : हरभजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शारजाह/भाषा। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह को यह दुर्भाग्यपूर्ण लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कुछ खास हासिल नहीं किया है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि यह जोड़ी 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलती रहेगी।

रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। वह वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने इस बात पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है कि यह दोनों वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं। हरभजन ने यहां कहा, ''यह मेरी समझ से परे है। मैं इसका जवाब नहीं दे पाऊंगा क्योंकि मैं खुद एक खिलाड़ी रहा हूं और जो मैं देख रहा हूं वह मेरे साथ भी हुआ है। मेरे कई साथियों के साथ ऐसा हुआ है, लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम इस बारे में बात नहीं करते या इस पर कोई चर्चा नहीं करते।'' भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 417 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कोहली और रोहित के साथ किए जा रहे व्यवहार के संदर्भ में कहा, ''जब मैं विराट कोहली जैसे खिलाड़ी को देखता हूं जो अभी भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है तो मुझे बहुत खुशी होती है। यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे लोग उनके भविष्य के बारे में फैसला कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कुछ खास हासिल नहीं किया है।'' वनडे विश्व कप में अभी एक समय साल से भी अधिक समय है लेकिन हरभजन ने रोहित और कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि वे इस विश्व कप के दौरान शानदार फॉर्म में रहेंगे और अगली पीढ़ी के लिए मानक स्थापित करेंगे। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में घरेलू मैदान पर लगातार दो शतक लगाए हैं, जबकि रोहित ने पिछली चार पारियों में दो अर्द्धशतक और एक शतक लगाया है। हरभजन ने कहा, ''उन्होंने हमेशा रन बनाए हैं और भारत के लिए शुरू से ही अच्छा योगदान दिया है। उन्होंने बल्लेबाज के रूप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम के कप्तान भी रहे हैं। मुझे वास्तव में अच्छा लग रहा है कि वह दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं।''

शाह ने बंगाल में राष्ट्रपति शासन का आधार तैयार करने के लिए एसआईआर का इस्तेमाल किया : ममता

बहरामपुर (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को ''केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चाल'' के तहत आगे बढ़ाया, और दावा किया कि अगर तृणमूल कांग्रेस सरकार इस प्रक्रिया में रूकावट डालती तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाता। बनर्जी ने मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में एसआईआर विरोधी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार इतनी मूर्ख नहीं है कि वह जाल में फंस जाए। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे एसआईआर के तहत गणना प्रक्रिया से न डरें, बल्कि अपने दस्तावेज दाखिल करें।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने भाजपा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि देश भर में एसआईआर से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों में से आधे से अधिक हिंदू हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा को आगाह करते हुए कहा कि वह ''जिस डाल पर बैठी है उसी को काट रही है।'' उन्होंने रैली में कहा, एसआईआर से मत डरिए। अगर हमने इसकी अनुमति नहीं दी होती, तो वे राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा देते। क्या आप अमित शाह की चाल समझते हैं? हम इसके खिलाफ लड़ेंगे और जीतेंगे। वे हमें भूखा नहीं मार सकते, ना ही हमारी संपत्ति ले सकते हैं।

सुविचार

ऐसे तीन मार्ग हैं जो आत्मा के पतन की ओर ले जाते हैं। ये काम, क्रोध और लोभ हैं और इनका त्याग करना ही सर्वोत्तम है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे मजबूत होगा रुपया?

डॉलर के मुकाबले रुपए में आई गिरावट ने अर्थव्यवस्था की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। भारतीय मुद्रा ने पहली बार 90 का आंकड़ा पार कर लिया। इसके मद्देनज़र सरकार और देशवासियों को एकजुट होकर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। यह अर्थशास्त्र का सामान्य-सा नियम है कि रुपए में गिरावट आने से आयात बिल बढ़ता है, जिससे चीजों की कीमतों में इजाफा होता है। आखिरकार इसका भार आम आदमी पर पड़ता है, जो पहले से ही कई समस्याओं से जूझ रहा है। भारत अपनी जरूरत के लिए ईंधन का ज्यादातर हिस्सा आयात करता है, जिसका भुगतान डॉलर में किया जाता है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, कई दवाइयों, मशीनरी और उद्योगों के कच्चे माल की आपूर्ति के लिए विदेशों पर निर्भरता है। अब इनकी लागत बढ़ सकती है। रुपए में आई कमजोरी से निवेशकों के भरोसे पर भी असर पड़ता है। वे उन बाजारों का रुख कर सकते हैं, जिनकी मुद्रा तुलनात्मक रूप से ज्यादा मजबूत है। यह गिरावट उन विद्यार्थियों पर आर्थिक भार बढ़ा सकती है, जो पढ़ाई के लिए विदेश गए हैं। उन्हें रहने और खाने पर (भारतीय मुद्रा में) ज्यादा राशि खर्च करनी पड़ेगी। इससे भारत में रहने वाले उनके परिवारों के बजट पर असर पड़ सकता है। डॉलर के साथ इस मुकाबले में रुपए का मजबूत होना जरूरी है। यह सबके जीवन से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए सिर्फ सरकार के भरोसे छोड़ देना उचित नहीं है। विपक्ष के नेता सरकार की तीखी आलोचना कर रहे हैं। यह उनका अधिकार है, वे जरूर करें। साथ ही, उन तौर-तरीकों के बारे में भी बताएं, जिन्हें अपनाने से रुपया मजबूत हो सकता है। कोरी आलोचना से किसी का भला नहीं हो सकता।

डॉलर को नकेल डालने के लिए स्वदेशी चीजों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार 'वोकल फॉर लोकल' का आह्वान कर चुके हैं। अब यह हर भारतीय का संकल्प होना चाहिए। नेताओं और सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तो आगे बढ़कर उदाहरण पेश करना चाहिए। विदेशी जूते, साबुन, परफ्यूम, टूथपेस्ट, कपड़े, चॉकलेट, विदेशी मोबाइल फोन और ऐसी तमाम चीजों के भारतीय विकल्पों को प्राथमिकता देनी चाहिए। पहले, एक साल का लक्ष्य बनाएं। इस अवधि में डॉलर को नीचे लाने के लिए सरकार क्या करे और जनता क्या करे - इस पर स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जाए। जहां सरकार के प्रयासों में कमी नजर आए, वहां जनता उसे याद दिलाए। इसी तरह सरकार भी ऐसी नीतियां बनाए, जो जनता को उक्त लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन दें। हमें पेट्रोल, डीजल और गैस के अन्य विकल्पों पर विचार करना चाहिए। भारत के पास प्रतिभाशाली वैज्ञानिक हैं। सरकार उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपे। वाहनों के लिए वैकल्पिक ईंधन ढूंढ़ने में समय लग सकता है, लेकिन रसोईघरों में (ईंधन के विकल्प के तौर पर) सौर ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा सकता है। अगर देश के 50 प्रतिशत रसोईघरों में भी सौर ऊर्जा पहुंच जाएगी तो आयात बिल में भारी बचत होगी। कई लोग छुट्टियों में विदेश घूमने जाते हैं। यह गलत नहीं है, बल्कि इसके कई फायदे हैं। अभी विदेशी मुद्रा की बचत करने के लिए विदेश घूमना टाल दें तो बेहतर होगा। अपना देश बहुत विशाल है। यहां सुंदर जगहों की कमी नहीं है। भारतीय पर्यटन स्थलों पर जाने से अपने देश में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। नेतागण और सरकारी अधिकारी विदेश का दौरा करें तो मितव्ययता का खास ध्यान रखें। सरकार निवेश और बचत को प्रोत्साहन दे। जब बैंकिंग सिस्टम मजबूत होगा तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

ट्वीटर टॉक

मिज़ोरम के पूर्व राज्यपालस्वराज कौशल के देहावसान की सूचना से स्तब्ध हूँ। वे सेवाभावी विज्ञ व्यक्ति थे, जिनमें राष्ट्रसेवा का अटूट भाव था। हमारी प्रखर नेता और उनकी धर्मपत्नी पत्नी स्व. श्रीमती सुषमा स्वराज जी की भाँति उनका भी अब हमारे बीच नहीं होना अपूरणीय क्षति है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज़ादी की जंग में योगदान देने वाले राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री माणिक्यलाल वर्मा की जयंती पर उन्हें सादर नमन। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाने वाले श्री वर्मा का राजस्थान के विकास में योगदान सदैव प्रेरित करता रहेगा।

-अशोक गहलोत

मां भारती की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले ग्राम सुन्दरपुरा के वीर सपूत रामसिंह जी कसाना की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। ईश्वर वीर आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें एवं परिजनों को इस दु:ख को सहने की शक्ति दें।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

ज्ञान की जीत

पंजाब के गुजरांवाला जिले के मुरारीवाला ग्राम में जन्मे होनहार बालक रामतीर्थ की अध्ययन में गहरी रुचि थी। सन 1891 में पंजाब विवि की बी.ए. परीक्षा में पूरे प्रांत में पहला स्थान पाने पर उन्हें 10 रुपये मासिक छात्रवृत्ति भी दी गई। उन्होंने सर्वोच्च अंक प्राप्त करके एमए की परीक्षा भी उत्तीर्ण की। फिर उसी कॉलेज में गणित के प्रोफेसर बने रामतीर्थ में वैराग्य की भावना जाग्रत हुई और 1901 में उन्होंने लाहौर छोड़कर टिहरी गढ़वाल के कोटी ग्राम में शाल्माली वृक्ष के नीचे ईश्वरीय साधना शुरू की। फिर वे प्रोफेसर रामतीर्थ से स्वामी रामतीर्थ बने। एक बार टिहरी रियासत के तत्कालीन नास्तिक नरेश कीर्तिशाह, स्वामी रामतीर्थ से वाद-विवाद करने आए। स्वामी रामतीर्थ की शांति, तात्विक ज्ञान और तर्कपूर्ण बातों के सामने नरेश की सारी शंकाएं निर्मूल हो गईं। नरेश, स्वामी रामतीर्थ के चरणों में गिर पड़े और आस्तिक हो गए। इसके बाद, उन्होंने स्वामी रामतीर्थ को जापान में होने वाले एक विश्व धर्म सम्मेलन में भेजा। स्वामी रामतीर्थ न केवल एक आदर्श विद्यार्थी और गणितज्ञ थे, बल्कि एक प्रेरणादायक समाज सुधारक, देशभक्त और तत्वज्ञ भी थे।

सामयिक

भारत की आर्थिक विकास दर ने पूरे विश्व को चौंकाया

प्रह्लाद सबनानी

जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। क्योंकि, वैश्विक स्तर पर इतनी विपरीत परिस्थितियों के बीच एवं विकसित देशों में विकास की धीमी दर एवं कुछ देशों में तो विकास दर के ऋणात्मक रहने के चलते (जएउऊ देशों की आर्थिक विकास दर 2 प्रतिशत के भी नीचे है), भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के ऊपर कैसे रह सकती है। साथ ही, विभिन्न वित्तीय संस्थानों यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान जताया था। फिर, भारत की आर्थिक विकास इस अवधि में 8.2 प्रतिशत कैसे रह सकती है? हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने भारत में आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। इन सुधार कार्यक्रमों का असर अब भारत की आर्थिक विकास दर में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है और इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में लागू किया जा चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है। साथ ही, भारत के लगभग 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त उपायों का स्पष्ट असर यह हो रहा है कि भारत के दूर दराज इलाकों में निवासरत गरीब वर्ग के हाथों में सीधे पैसा पहुंच रहा है, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ रही है एवं वे इस पैसे से कई प्रकार के उत्पादों का सेवन करने लगे हैं और जिससे अंततः देश में इन उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में निजी उपभोग भी वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही के 4.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 8 प्रतिशत से बढ़ा है। साथ ही केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में भी 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जिससे रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज हुई है।

उक्त कारणों के साथ ही, भारत में धार्मिक पर्यटन में भी भारी वृद्धि हुई है। अब, कई श्रद्धालु परिवार भारत के अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित मंदिर के दर्शन हेतु प्रति माह लाखों की संख्या में पहुंच रहे हैं। इसी प्रकार, वाराणसी स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर, जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर, दक्षिण में भगवान तिरुपति बालाजी मंदिर, ओड़िसा के पुरी में स्थित मंदिर, उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्रि, केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर आदि मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने हेतु पहुंच रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न हुए कुम्भ के मेले में तो 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु देश विदेश से पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने हेतु पहुंचे थे। इसी प्रकार, भारत की एक और विशेषता है कि यहां विभिन्न त्यौहारों को बड़े ही उत्साह से भाई-चारे के साथ मनाया जाता है। दीपावली का पावन पर्व एवं दीपावली के आसपास के समय में कई त्यौहार श्रद्धापूर्वक मनाए जाते हैं एवं इन त्यौहारों पर समाज में परिवारों द्वारा लाखों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं। इस वर्ष एक आकलन के अनुसार दीपावली के पावन पर्व एवं दीपावली के समय के आसपास के समय में मनाए गए विभिन्न त्यौहारों पर 6 लाख करोड़ रुपए के विभिन्न उत्पादों की बिक्री भारत में हुई है। फिर, शादियों का मौसम भी प्रारम्भ होता है जिसमें करोड़ों की संख्या में विवाह समारोह सम्पन्न होते हैं, इन विवाह समारोहों में भी लाखों करोड़ रुपए का खर्च भारतीय समाज द्वारा किया जाता है। इन कारणों के चलते भी भारत में हाल ही के समय में उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। जिससे, अंततः इन उत्पादों का निर्माण भी भारत में होने लगा है तथा विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

दरअसल, विदेशी वित्तीय संस्थान भारत की संस्कृति से पूर्णत अनभिज्ञ हैं एवं पश्चिमी देशों की संस्कृति के अनुसार विकसित किए गए मॉडल से भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगा रहे हैं। इन मॉडल के अनुसार जहां, इन विभिन्न विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा 6 से 7 प्रतिशत के बीच की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाया जाता है वहीं भारत की आर्थिक विकास दर अब 8 प्रतिशत की दर को भी पार करती हुई दिखाई दे रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन वित्तीय संस्थानों के आंकलन में इतना भारी अंतर सोच का विषय है। अब भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में अनुमानों को आंकने के लिए भारतीय मॉडल ही विकसित करने की आवश्यकता है। वरना, इसी प्रकार की गलतियां इन विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा की जाती रहेंगी एवं भारत में कुछ विघ्न संतोषी पत्रकार इसी प्रकार देश के आर्थिक विकास की दर पर अपनी शंका-कुशंकाओं को समाज के बीच में लाते रहेंगे और गलत विमर्श खड़ा करने का प्रयास करते रहेंगे।

हां, भारत में ऐसे कुछ क्षेत्र जरूर हैं जिनमे विकास दर को गति देने के प्रयास किए जाने चाहिए। जैसे, भारत में खदानों से उत्पादन में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, पिछले वर्ष भी इसी अवधि में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई थी। जब देश में विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा रही है तो फिर खदानों से उत्पादन क्यों नहीं बढ़ना चाहिए? इसका आश्य कहीं यह तो नहीं कि हम कच्चे माल की जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा करने का प्रयास कर रहे हों।

इस बीच भारत में आयात की मात्रा में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर कुछ धीमी रही है। उक्त अवधि (तिमाही) के दौरान, भारत में उत्पादों का आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जबकि भारत से उत्पादों का निर्यात 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है। इस प्रकार, कुल व्यापार घाटा बढ़कर 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। इस प्रकार, भारत में कच्चे माल के उपयोग में आत्म निर्भरता हासिल करना आवश्यक हो गया है। जिन वस्तुओं का उत्पादन भारत में ही आसानी से सम्भव है, उनका आयात बंद अथवा कम करना ही होगा। अन्यथा, की स्थिति में भारत को अपने व्यापार घाटे को संतुलित करना, अति मुश्किल कार्य हो जाने वाला है। सामाजिक स्तर पर भी इस समस्या का हल निकालना होगा। केवल देश में ही उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करना आज प्रत्येक परिवार का कर्तव्य बन जाना चाहिए। देश में बढ़ती मांग की आपूर्ति यदि देश में ही निर्मित वस्तुओं से होने लगेगी तो विदेशी संस्थाओं द्वारा भारत में अपने उत्पाद बेचकर कमाए जाने वाले लाभ को वे अपने देश में नहीं ले जा सकेंगे और इससे अंततः भारत के व्यापार घाटे को भी नियंत्रित किया जा सकेगा। (सभार : प्रभा साक्षी)

नजरिया

नए भारत को चाहिए सुरक्षा एवं संवेदना वाली नई पुलिस

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारतीय लोकतंत्र में पुलिस व्यवस्था कानून-व्यवस्था की आधारभूत धुरी है, परंतु आम नागरिक के मानस में पुलिस की छवि अभी भी कठोरता, डर और दमन से जुड़ी हुई है। इसे केवल अधिकार जताने वाली शक्ति समझा गया है, संवेदनशीलता, जवाबदेही और मित्र भाव से नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में इसी जटिलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुलिस की छवि तभी बदलेगी जब व्यवस्था अधिक प्रोफेशनल, अधिक उत्तरदायी और अधिक मानवीय बने। विकसित भारत की दृष्टि में पुलिस का पुनर्गठन केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि समाज में भरोसे को पुनर्जीवित करने का कार्य भी है। पुलिस के पास अपराध नियंत्रण, आतंकवाद-निरोध, भीड़ प्रबंधन, आपदा राहत, नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान, चुनाव ड्यूटी और वीआईपी सुरक्षा जैसी असंख्य जिम्मेदारियां हैं, लेकिन संसाधन सीमित हैं, कार्य-भार भारी और राजनीतिक दबाव व्यापक हैं। कुछ अधिकारियों के भ्रष्ट या कठोर व्यवहार ने संपूर्ण पुलिस व्यवस्था की छवि पर चोट पहुंचाई है, इसलिए जनता पुलिस के निकट आने पर भी भय का अनुभव करती है। प्रधानमंत्री ने इस स्थिति बदलने की स्पष्ट आवश्यकता जताई और युवाओं में पुलिस की सकारात्मक छवि निर्माण पर बल दिया ताकि आने वाली पीढ़ी पुलिस को मित्र और संरक्षणकर्ता के रूप में पहचाने।

भारतीय लोकतंत्र के संरचनात्मक स्तंभों में पुलिस की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। वह केवल अपराधियों से मुकाबला करने वाली शक्ति नहीं बल्कि कानून-व्यवस्था, नैतिकता और जनविश्वास की संरक्षक है। परंतु विडम्बना यह है कि आम जनता के मानस में पुलिस की छवि आज भी कठोरता, डर, भ्रष्टाचार और दमन से जुड़ी हुई दिखाई देती है। समाज पुलिस को डंडे और खाकी के प्रतीक रूप में पहचानता है, संवेदनशीलता और जवाबदेही के दृष्टिकोण से नहीं। यही कारण है कि पुलिस सुधार दशकों से विमर्श का विषय तो रहा, लेकिन कभी जनांदोलन नहीं बन सका, न चुनावी मुद्दा बना और न ही गंभीर राजनीतिक प्राथमिकता। इसलिये मोदी ने शहरी पुलिसिंग को मजबूत करने, पर्यटक पुलिस को फिर से सक्रिय करने, विश्वविद्यालयों को फोरेंसिक अध्ययन के लिए प्रेरित करने और नए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम तथा नागरिक सुरक्षा संहिता पर व्यापक जनजागरूकता चलाने की जरूरत रेखांकित की। उनका यह दृष्टिकोण पुलिस को प्रतिक्रियाशील संस्था से आगे बढ़ाकर बुद्धिमान, वैज्ञानिक, पूर्वानुमान आधारित और विश्वसनीय संस्था बनाने की दिशा है।

प्रधानमंत्री की दृष्टि का महत्वपूर्ण आयाम यह है कि पुलिस केवल कानून लागू करने वाली मशीन नहीं बल्कि समाज का सहभागी तंत्र है। यदि पुलिस व्यवहार में संवेदनशीलता, संवाद, पारदर्शिता और विनम्रता विकसित करे तो जनविश्वास स्वतः बढ़ेगा। नए कानूनों के बारे में जन-जागरूकता अभियान इसी सोच का हिस्सा है, क्योंकि कानून तभी प्रभावी होते हैं जब जनता उन्हें समझती और स्वीकार करती है। अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए पुलिस का प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता, इंटेलिजेंस नेटवर्क और फोरेंसिक क्षमता मजबूत होना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री ने नेटग्रिड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एकीकृत डेटाबेस के प्रभावी उपयोग पर जोर देकर पुलिसिंग को डेटा आधारित, कृत्रिम बुद्धिमता-एआई और वैज्ञानिक सोच से जोड़ने की दिशा दिखाई है। उन्होंने प्रतिबंधित संगठनों की सतत निगरानी, नशीली दवाओं के विरुद्ध बहुस्तरीय रणनीति, कट्टरपंथ से प्रभावित क्षेत्रों में विकास आधारित समाधान, तटीय सुरक्षा के नवाचार, तथा प्राकृतिक आपदाओं में सक्रिय पुलिस नेतृत्व की आवश्यकता भी व्यक्त की। यह सब उस व्यापक सोच का हिस्सा है जिसमें पुलिस केवल अपराध से लड़ने वाली व्यवस्था नहीं बल्कि विकास की रणनीतिक सहभागी शक्ति है।

परंतु पुलिस सुधार केवल निर्देशों से संभव नहीं; इसके लिए संतुलित एवं अत्याधुनिक ढांचे की जरूरत है जिसमें प्रशिक्षण, संसाधन, मनोबल, आचार-नीति, राजनीतिक निर्भरताओं से मुक्ति और सामाजिक सम्मान शामिल हों। आलोचना जितनी महत्वपूर्ण है, पुलिस के संघर्षों को समझना भी उतना ही आवश्यक है, क्योंकि इसी दोतरफा समझ से सुधार का रास्ता निकलता है। प्रधानमंत्री की अपेक्षा है कि पुलिस नेतृत्व खुद को नए भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार करे, लक्ष्य स्पष्ट करे और वह व्यवस्था बनाए जिसमें नागरिक पुलिस को भय से नहीं बल्कि विश्वास से देखें। विकसित भारत की यात्रा में सुरक्षा, न्यायबोध और अनुशासन की संरचना को सशक्त बनाने के लिए पुलिस का आधुनिक, मानवीय और विश्वसनीय स्वरूप अनिवार्य है। यह सुधार केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और चरित्र का परिवर्तन है। तभी खाकी का सम्मान लौटेगा, जनता का विश्वास मजबूत होगा और पुलिस व्यवस्था वास्तव में लोकतंत्र की प्रहरी के रूप में पहचानी जाएगी।

प्रधानमंत्री के ताजा विचारों ने स्पष्ट किया है कि पुलिस की छवि सुधारने का अर्थ केवल कठोरता घटाना नहीं, बल्कि उसे प्रोफेशनल, संवेदनशील और जवाबदेह बनाना है। आज जरूरत इस बात की है कि पुलिस व्यवस्था के लिए भय का नहीं, विश्वास और सुरक्षा का केंद्र बने। शहरी पुलिसिंग को सुदृढ़ करने, पर्यटक पुलिस को पुनर्जीवित करने और नए आपराधिक कानूनों पर जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में पहल इसलिए महत्वपूर्ण है कि इससे पुलिस डंडे की ताकत से आगे बढ़कर मदद की शक्ति बनेगी। यदि नागरिक को यह अनुभव होने लगे कि पुलिस मदद के लिए तत्पर है, उसके अधिकारों का सम्मान करती है और कानून का निष्पक्ष पालन करती है, तो खाकी वर्दी का अर्थ केवल अनुशासन नहीं बल्कि विश्वास, अभय और सहारा प्रतीत होगा। यही वह परिवर्तन है जो विकसित भारत की सोच में निहित है।

अंग्रेज़ी शासकों ने अपने शासन को थोपने, जनता को नियंत्रित करने और भय-आधारित प्रशासन चलाने हेतु पुलिस तंत्र की रचना की। 1860 के कानून के आधार पर स्थापित भारतीय पुलिस का मूल चरित्र दंडात्मक, शासक-केन्द्रित और कठोर शक्ति-प्रयोग वाला था। स्वतंत्रता के बाद भी इस व्यवस्था में सार्थक बदलाव न होना एक विडंबना है। आज़ाद भारत ने लोकतंत्र अपनाया पर पुलिस ढांचे ने अभी तक औपनिवेशिक सोच को पूरी तरह त्यागा नहीं। परिणामतः पुलिस जनसेवा की बजाय सत्ता को बचाने और भय पैदा करने का उपकरण बनी रह गई। आज आवश्यकता है कि भारत का पुलिस तंत्र भारत के मूल्यों के अनुरूप पुनर्निर्मित हो। विकसित भारत को विकसित सोच वाली पुलिस चाहिए जो नागरिकों के साथ विश्वास-आधारित संबंध बनाए, दमन नहीं बल्कि संरक्षण दे, और कानून को लागू करने में नैतिकता, पारदर्शिता और मानवता को प्राथमिकता दे। ऐसी पुलिस व्यवस्था ही सच्चे अर्थों में लोकतंत्र की प्रहरी बन सकती है और भारत की सभ्यता-संस्कारों का प्रतिबिंब भी।

इसी संदर्भ में पुलिस थानों के नामकरण की सोच पर पुनर्विचार भी आवश्यक है। थाना शब्द में दमन और भय की छाया रही है, जबकि लोकतांत्रिक समाज में वह नागरिक सहारा का स्थान होना चाहिए। यदि उन्हें सुरक्षा केंद्र, नागरिक सहायता केंद्र, पुलिस सेवा भवन, अभय केंद्र या सहयोग प्रहरी केंद्र जैसे नाम दिए जाएं तो नागरिक के मानस में पुलिस की भूमिका का अर्थ बदलने लगेगा। नाम केवल शब्द नहीं होता, वह भाव, चरित्र और अनुभव निर्मित करता है। इस सकारात्मक नामकरण से पुलिस केन्द्र केवल शिकायत या धमकाने का प्रतीक नहीं बल्कि सहायता, समस्या-समाधान, विश्वास और न्याय का केन्द्र बन सकता है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन, यदि व्यवहार सुधार के साथ जुड़ जाए, तो पुलिस के प्रति जनता में सम्मान, निर्भयता और साझेदारी की भावना और अधिक मजबूत होगी और यही वह दिशा है जिसे विकसित भारत की सुरक्षा, नीतिगत सोच और संवेदनशील शासन का स्वरूप कह सकते हैं।

इसके विपरीत आज की वास्तविकता यह है कि जब पुलिस दरवाजे पर आती है, तो नागरिक घबराता है-कहीं फंस न जाऊं। यह भय उस विश्वासहीनता का परिणाम है जिसे बदलना आवश्यक है। अपराध की प्रकृति बदल रही है, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध, आतंकवाद, मानव तस्करी, ड्रग नेटवर्क-इनसे मुकाबले के लिए बेहतर प्रशिक्षण, तकनीक और इंटेलिजेंस चाहिए। लोकतंत्र में पुलिस सबसे प्रत्यक्ष शासन-कर्म है। जनता रोज उसे देखती, झेलती और समझती है। खराब अनुभव सीधे शासन के प्रति अविश्वास पैदा करते हैं। विकसित भारत 2047 की आकांक्षाओं में पुलिस वह संरचना है जो सुरक्षा, अनुशासन, न्याय और सामाजिक साझेदारी को सुनिश्चित करती है। पुलिस की वर्दी के भीतर मनुष्य, संवेदना और विवेक दिखाई दे, तभी खाकी का सम्मान लौटेगा और जनता का विश्वास सुदृढ़ होगा। नए भारत के निर्माण में पुलिस का यह रूपांतरण एक निर्णायक धुरी होगा, जहां सुरक्षा और संवेदनशीलता साथ-साथ चलें, और जहां कानून केवल भय नहीं बल्कि न्याय और विश्वास का प्रतीक बने।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रवानगी

भारत के क्रिकेटर विराट कोहली, रोहित शर्मा और अन्य लोग दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे क्रिकेट मैच से पहले रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर विशाखापत्तनम के लिए रवाना हुए।

ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी, एच-4 वीजा धारकों को सोशल मीडिया प्रोफाइल सार्वजनिक करने को कहा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी सरकार ने एच–1बी वीजा आवेदकों और उन पर आश्रित एच–4 वीजा धारकों के लिए जांच और सत्यापन प्रक्रियाएं कड़ी कर दी हैं। नए निर्देशों के तहत सभी आवेदकों को अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल की निजता 'सेटिंग्स' ''सार्वजनिक'' (पब्लिक) रखने के लिए कहा गया है।

विदेश विभाग ने बुधवार को जारी किए नए आदेश में कहा कि 15 दिसंबर से सभी एच–1बी आवेदकों और उनके आश्रितों की ऑनलाइन उपस्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे पहले छात्र (एफ, एम) और 'एक्सचेंज विजिटर' (जे वीजा) पहले से ही ऐसी जांच के दायरे में थे, जिसे अब एच–1बी और एच–4 वीजा तक बढ़ा दिया गया है।

विदेश विभाग ने कहा, ''इस जांच को सुगम बनाने के लिए सभी एच–1बी, एच–4, एफ, एम और जे वीज़ा आवेदकों को अपने सभी सोशल मीडिया प्रोफाइल की प्राइवेसी सेटिंग्स सार्वजनिक करने के निर्देश दिए जाते हैं।''

विभाग ने जोर देकर कहा कि अमेरिकी वीजा कोई ''अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार'' है और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में उपलब्ध सभी सूचनाओं का उपयोग करके आवेदकों की गहन जांच की जाती है। बयान में कहा गया है, ''हर वीजा निर्णय एक राष्ट्रीय सुरक्षा का निर्णय है।'' यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा आव्रजन नियमों को कठोर बनाने की नवीनतम कार्रवाई है। प्रशासन एच–1बी वीज़ा के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए व्यापक कार्रवाई कर रहा है।

किसी समाज के सच को केवल कुछ रचनाओं से नहीं समझा जा सकता: मृदुला गर्ग

नई दिल्ली/भाषा। वरिष्ठ कथाकार मृदुला गर्ग ने समाज की अपेक्षाओं से परे जाकर साहित्य में अपनी एक नई पहचान गढ़ने के लिए महिला रचनाकारों के जज्बे को सराहा और कहा कि किसी समाज के सच को केवल कुछ रचनाओं के माध्यम से नहीं समझा जा सकता।

मृदुला गर्ग ने यहां नौ प्रमुख महिला रचनाकारों के उपन्यासों के लोकार्पण के लिए आयोजित 'स्त्री वर्ष' कार्यक्रम में बुधवार को यह बात कही। वरिष्ठ कथाकार ने कहा, ''किसी समाज के सच को केवल कुछ रचनाओं से नहीं समझा जा सकता, उसके लिए सैकड़ों उपन्यास पढ़ने पड़ते हैं।'' उन्होंने कहा,'' मेरे लिए स्त्री होना कोई निर्मित पहचान नहीं है। हम सब जन्म से स्त्री या पुरुष होते हैं; समाज केवल हमारे ऊपर अपनी अपेक्षाएं थोपता है। इन नौ लेखिकाओं ने जन्म से स्त्री होते हुए भी अपने को लेखक के रूप में गढ़ा है और उसी रूप में वे सबसे अधिक सम्मान की पात्र हैं।''

समकालीन हिन्दी उपन्यासों में स्त्री–स्वर, स्त्री–अनुभव और रचनात्मक विस्तार को रेखांकित करने के उद्देश्य से बुधवार शाम राजकमल प्रकाशन समूह द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'हिन्दी उपन्यास का स्त्री वर्ष : भेंट, पाठ, चर्चा' का आयोजन किया गया।

राजकमल प्रकाशन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अध्यक्षीय वक्तव्य में मृदुला गर्ग ने समकालीन स्त्री–लेखन की रचनात्मकता और उसके सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पहल हिन्दी साहित्य में एक महत्वपूर्ण क्षण को दर्ज करती है।

सेना में शामिल होना मेरा पहला सपना था: अहलावत

मुंबई/भाषा। अभिनेता जयदीप अहलावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि जब वह किसी को सैनिक की वर्दी में देखते हैं तो उन्हें 'ईर्ष्या' होती है, क्योंकि बचपन में उनका सपना था कि वह सेना में जाएं।

अभिनेता जल्द ही युद्ध नायक अरुण खेत्रपाल की बायोपिक 'इक्कीस' में नजर आएंगे।

इक्कीस' परमवीर चक्र से सम्मानित अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित फिल्म है जिसमें अभिनेता अगस्त्य नंदा खेत्रपाल की भूमिका में हैं और दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र उनके पिता एमएल खेत्रपाल की भूमिका में हैं। इसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है, जिन्होंने अरिजीत बिस्वास और पूजा लाधा सुरती के साथ लेखक के रूप में भी काम किया है।

''पाताल लोक'' में अभिनय कर चुके अहलावत ने कहा कि सेना में उनके कई दोस्त हैं। अभिनेता ने बताया कि वह दो बार सेवा चयन बोर्ड की परीक्षा में असफल रहे। उन्होंने ''इक्कीस'' के एक कार्यक्रम में कहा, ''मैंने सोचा था कि मैं एक अच्छा (सेना) अधिकारी बनूंगा, लेकिन दुर्भाग्य से मुझे वापस घर भेज दिया गया। यह मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है।''

पच्चीस दिसंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अहलावत कथित तौर पर एक सम्मानित पाकिस्तानी सेना अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। अहलावत ने कहा, '' मेरे जीवन का सबसे कठिन दिन वह था जब मैं 2013 में चेन्नई में 'विश्वरूपम' की शूटिंग कर रहा था और मुंबई वापस आ रहा था। तब ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) की पासिंग आउट की घोषणा हुई और हवाई अड्डे पर मैंने कई लड़कों को देखा, और मुझे उनसे बहुत जलन हुई।'' उन्होंने कहा, ''जब भी मैं किसी को सैनिक की वर्दी में देखता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं, क्योंकि 18–19 साल के लड़के के रूप में यह मेरा पहला सपना था, जो भारतीय सेना में शामिल होना चाहता था।''

अहलावत ने बताया कि उन्हें खेत्रपाल की कहानी तब पता चली जब वह कुछ साल पहले भारतीय सैन्य अकादमी में सैनिकों के सम्मान समारोह में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, ''खेत्रपाल से मेरा पहला परिचय तब हुआ जब मेरा एक दोस्त भारतीय सैन्य अकादमी से पास आउट हो रहा था। वहां मोटे अक्षरों में लिखा था 'खेत्रपाल ऑडिटोरियम। मैंने उससे इसके बारे में पूछा और मेरे दोस्त ने मुझे अरुण खेत्रपाल के बारे में सब कुछ बताया ।'' इसी कार्यक्रम में अभिनेता अगस्त्य नंदा ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, छावनी अब घर जैसी लगने लगी है। हम इस फिल्म के लिए तीन साल से प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इक्कीस में एक्शन दृश्यों का फिल्मांकन कठिन था।

कलाकार को जीवन भर के संघर्ष के बाद सिर्फ मरने के बाद ही सम्मान मिलता है : दिलजीत दोसांझ

मुंबई/एजेन्सी

साल 2024 में दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'चमकीला' आई थी, जोकि पंजाबी लोकगायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को कई कैटगिरी में नॉमिननेट किया गया, लेकिन फिल्म एक भी अवॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाई। अब दिलजीत ने नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें उन्होंने फिल्म और एक आर्टिस्ट के संघर्ष के बारे में बात की है। उनका कहना है कि जब तक कलाकार जिंदा होता है, तब तक उसे परेशान किया जाता है, लेकिन मरने के बाद उन्हें सम्मान मिलता है। दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है और बताया कि एक कलाकार को सफल बनने के लिए क्या कुछ झेलना पड़ता है। वे वीडियो में कहते हैं, एक कलाकार को अपनी जिंदगी में हर तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और जब तक वो मर नहीं जाता, तब तक लोग उसे महान नहीं कहते हैं और अपना प्यार भी नहीं देते। जब वे मर जाते हैं या चमकीला की तरह मार दिए जाते हैं, तभी उन कलाकारों को 'महान' कहा जाता है या लोगों का प्यार मिलता है। उसके बाद ही उनके काम की सराहना की जाती है क्योंकि एक तो वो जिंदा नहीं है, दूसरा आपका कॉम्पीटिशन नहीं है, और तीसरा मरे हुए इंसान को सम्मान देना इंसानों का स्वभाव है।

उन्होंने आगे कहा कि ये दुनिया एक फिल्मी सेट की तरह है और हर कोई अपना किरदार निभा रहा है। जब तक कलाकार जिंदा है, उसे कोई नहीं पूछता, उसे मारने की धमकी दी जाती है, परेशान किया जाता है क्योंकि जो वह कर रहे हैं, वो समाज को बर्दाश्त नहीं हो पाता, और मरने के बाद कहते हैं, 'वाह, क्या गाना था।इसके अलावा, उन्होंने अपनी फिल्म 'चमकीला' को लेकर भी खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि दिलजीत यहां वेलिडेशन के लिए नहीं आया है, बल्कि चमकीला के लिए आया है। अपने फिल्म से जुड़े अनुभवों पर सिंगर ने कहा कि फिल्म में एक शॉट है। यह शॉट मैंने इसलिए किया क्योंकि कोई दूसरा कलाकार इसे समय पर नहीं कर सकता था। मुझे शॉट देखकर कहा कि चमकीला मुझे कहीं से देख रहा है और वो सीन देखकर मैं भावुक हो उठा। मेरे लिए ये करना आसान नहीं था। बता दें कि फिल्म 'चमकीला' अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर फिल्म है, जिसमें उनके संघर्ष और उनकी हत्या की कहानी दिखाई गई है। उन्हें पंजाब का पहला 'रॉकस्टार' कहा जाता था, क्योंकि उनके गानों में लोकगीतों के साथ नए संगीत की झलक भी दिखती थी। उनके गाने रूढ़िवादी विषयों को चुनौती देते थे और समाज में वे इसी वजह से खटकने लगे। साल 1998 में अमर सिंह चमकीला और उनकी पत्नी अमरजोत को गोलियों से भून दिया गया था और दोनों की मौत हो गई थी।

बॉलीवुड एक्टर वरुण शर्मा, बाएं, और चंकी पांडे हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट 2025 के दौरान।

कार छोड़ ऑटो में सवार हुई दीप्ति नवल

मुंबई/एजेन्सी

बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री दीप्ति नवल जितना अपनी एक्टिंग की वजह से पसंद की जाती हैं, उतना ही अपनी सादगी की वजह से भी। सोशल मीडिया पर किए लेटेस्ट पोस्ट में भी उनकी मजेदार झलक देखने को मिली। इंस्टाग्राम हैंडल पर सेल्फी पोस्ट करते हुए दीप्ति ने बताया कि वह मुंबई की ऑटो रिक्शा में बैठी हैं, जिसका रंग पीला और काला है। फोटो के साथ उन्होंने मजेदार कैप्शन लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि वह जेवियर मैरियट होटल लंच के लिए जा रही हैं। उन्होंने लिखा, न कोई कार, न कोई ड्राइवर, ऑटो में बैठकर लंच के लिए मैरियट जा रहे हैं! पोस्ट की गई तस्वीर में दीप्ति नवल चश्मा लगाए और स्कार्फ लपेटी बेहद स्टाइलिश नजर आईं। उनकी पोस्ट पर प्रशंसकों ने जमकर लाइक और कमेंट किए। कई लोगों ने उनकी सादगी की तारीफ की तो कईयों ने उन्हें जमीन से जुड़ा स्टार बताया। एक फैन ने लिखा, यह भी अलग ही एहसास

होगा मैम। दूसरे ने लिखा, आज के स्टार्स प्राइवेट जेट और लग्जरी गाड़ियों में घूमते हैं, वहीं दीप्ति जी बिना किसी दिखावे के आम आदमी की तरह ऑटो का मजा ले रही हैं। तीसरे ने लिखा, मैम आपके अभिनय करियर की तरह आपकी जिंदगी भी खूबसूरत है। फिल्म इंडस्ट्री की दिग्गज अभिनेत्री के नाम कई क्लासिक फिल्में रहीं।

कार्तिक, सिर्फ अपना या अपने किरदार की नहीं, पूरी फिल्म का ख़याल रखते हैं : अनन्या पांडे

मुंबई/एजेन्सी। अनन्या पांडे ने अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के को–स्टार कार्तिक आर्यन की प्रोफेशनलिज़्म और सेट पर उनकी गर्मजोशी की खुलकर तारीफ़ की, और बताया कि उनके साथ काम करना हमेशा क्यों सुखद अनुभव होता है। इस सिलसिले में अनन्या ने कहा, मैं कार्तिक के आस–पास हमेशा बहुत कंफ़र्टेबल महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि वह सेट पर मेरा बहुत ध्यान रखते हैं, क्योंकि मुझे पता होता है कि वह सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने किरदार, अपनी टीम और फिल्म के साथ सबके लिए सोचते हैं। उन्होंने सेट पर बने मज़ेदार और सहयोगपूर्ण माहौल के बारे में भी बताया: उनके साथ सीखने को बहुत कुछ मिलता है। माहौल हमेशा मज़ाकिया और हल्का–फुल्का रहता है। ज़्यादा गंभीरता नहीं होती, और हर कोई अपनी राय बेझिझक दे सकता है। सच कहूँ तो सात साल बाद भी उनके साथ काम करके वही खुशी महसूस हुई, जो पति पत्नी और वो के दौरान हुई थी। अनन्या की बातें कार्तिक की अपने काम, अपनी टीम और पूरी फिल्म के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं और यही वजह है कि 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' प्रशंसकों के बीच पहले से ही बेहद चर्चा का विषय बन गई है।

ऋषभ शेट्टी ने ' वी. शांताराम' बने सिद्धांत चतुर्वेदी के दमदार फर्स्ट लुक को सराहा

मुंबई/एजेन्सी। दिग्गज फ़िल्मकार वी. शांताराम की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभा रहे सिद्धांत चतुर्वेदी का फर्स्ट लुक लगातार चर्चा बटोर रहा है और अब इंडस्ट्री भी इसकी प्रशंसा करने लगी है। हाल ही में अभिनेता–निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने सिद्धांत का पोस्टर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए उनकी मेहनत की प्रशंसा की है। इसके जवाब में सिद्धांत ने भी इंस्टाग्राम पर उनका आभार जताते हुए लिखा है, आपकी तरफ से ये बातें आना मेरे लिए बहुत मायने रखता है सर व=ज. पहले लुक के सामने आते ही सिद्धांत की ज़बरदस्त स्क्रीन प्रेज़ेंस, पीरियड–एक्यूरेट स्टाइलिंग और किरदार में ढलने की उनकी प्रतिबद्धता ने इस फिल्म को उनके करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक बना दिया है। इंडस्ट्री से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाएं और उस पर भी विशेष रूप से ऋषभ शेट्टी के सार्वजनिक समर्थन ने फिल्म से जुड़े उत्साह को और बढ़ा दिया है। इसमें दो राय नहीं है कि जैसे–जैसे सिद्धांत भारतीय सिनेमा के सबसे दूरदर्शी फ़िल्मकारों में से एक, वी. शांताराम की भूमिका में ढलते जा रहे हैं, वैसे – वैसे यह बायोपिक साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनती जा रही है और सबकी नज़रें सिद्धांत चतुर्वेदी पर टिकी हुई हैं।

52 साल की उम्र में महिमा चौधरी ने संजय मिश्रा को पहनाई वरमाला

मुंबई/एजेन्सी

90 के दशक की मशहूर अदाकारा महिमा चौधरी ने अभिनेता संजय मिश्रा के साथ 'दूसरी शादी' कर ली है। दोनों कलाकारों ने मीडिया के सामने एक–दूसरे को न केवल वरमाला पहनाई, बल्कि शादी की पारंपरिक रस्में भी निभाईं। चूंकि महिमा चौधरी और संजय मिश्रा दोनों ही पहले से शादीशुदा हैं, इसलिए फैंस के मन में सवाल है कि आखिर यह दूसरा विवाह क्यों? दरअसल, यह पूरा आयोजन उनकी आगामी फिल्म के प्रमोशन का एक अनूठा तरीका है। कलाकारों ने अपनी फिल्म को लाइमलाइट में लाने के लिए यह प्रोमोशनल गिमिक अपनाया है। फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' 19 दिसंबर को रिलीज होने वाली है, और गुरुवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में महिमा चौधरी और संजय मिश्रा ने स्टेज पर नकली शादी की और एक–दूसरे को वरमाला भी पहनाई। इस दौरान पास बैठे एक शख्स ने माइक लेकर मंत्र पढ़ना शुरू कर दिया, जिसे सुनकर महिमा डर जाती है और कहती है कि मंत्र क्यों पढ़ रहे हो, ये मंत्र शादी वाले असली मंत्र तो नहीं हैं। ये सुनकर सभी हंसने लगते हैं।

इसी के साथ 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का शानदार ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। ट्रेलर में अपने बेटे की शादी कराने के लिए दुर्लभ प्रसाद (संजय मिश्रा) खुद शादी करने के लिए तैयार होते हैं, क्योंकि लड़की के परिवारवालों की शर्त है कि जब तक घर में कोई महिला नहीं होगी, वे बेटी की शादी नहीं करेंगे। ऐसे में दुर्लभ प्रसाद के लिए लड़की खोजने की तैयारी शुरू होती है और एंट्री होती है महिमा चौधरी की, जो सिगरेट से लेकर शराब तक पीती हैं, लेकिन दुर्लभ अपनी समझदारी से महिमा को नशे से दूर करने की कोशिश करते हैं, लेकिन फिर आता है बड़ा ट्विस्ट। ट्रेलर के आखिरी में कुछ ऐसा होता है, जिससे दुर्लभ प्रसाद और महिमा चौधरी को अलग होना पड़ता है।

दोनों का एक वीडियो सामने आता है,जिसकी वजह से उनके बेटे की शादी भी टूट जाती है। फिल्म में कॉमेडी और इमोशन दोनों भरपूर मिलने वाला है। बता दें कि ट्रेलर से पहले फिल्म के टीजर और पोस्टर बहुत पसंद किए थे। फैंस काफी समय ये ट्रेलर रिलीज का इंतजार कर थे लेकिन आज फैंस का इंतजार खत्म करते हुए मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है।

परेड

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को श्रीनगर के बाहरी इलाके में पासिंग आउट परेड के दौरान जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर के 'ओवरऑल बेस्ट रिक्रूट' राहुल शर्मा, अग्निवीर को 'शेर–ए–कश्मीर' तलवार भेंट की।

'रांझे नु हीर' में कपिल का नया रोमांटिक अवतार

मुंबई/एजेन्सी

रांझे नु हीर को साल के सबसे रोमांटिक गानों में से एक माना जा रहा है। दिल से निकला संगीत, शायरी से भरे बोल और सच्चे प्यार को सेलिब्रेट करता इसका विज़ुअल इसे खास बना देता है। कपिल शर्मा और हीरा वरीना की जोड़ी इस गाने में कमाल की लग रही है। कपिल का यह अब तक का सबसे नया और अनदेखा रोमांटिक अवतार है, जिसमें उनकी पगड़ी वाला लुक उनके स्क्रीन प्रेज़ेंस में एक नई ताज़गी और आकर्षण जोड़ देता है। हीरा के साथ उनकी केमिस्ट्री बेहद सहज, गहरी और खूबसूरती से मेल खाती नज़र आती है, जो इस गाने को सुरों के साथ–साथ नज़ारों का भी शानदार तोहफा बना देती है। यह गाना डिजीवी ने कम्पोज़ किया है, जिसकी सुरीली और भावनाओं से भरी धुन एक अमर प्रेम कहानी का एहसास कराती है। लवराज के लिखे बोल हर शब्द में गहराई भर देते हैं और जुबिन नौटियाल की दिल को छू लेने वाली आवाज़ इसमें दर्द, अपनापन और जुनून घोल

देती है। इन तीनों की जुगलबंदी ने मिलकर एक यादगार रोमांटिक एहसास रच दिया है। किस किसको प्यार करूं 2 में हंसी का डोज़ पहले से भी ज़्यादा होने वाला है। पहली फिल्म में कपिल की उलझी हुई शादीशुदा ज़िंदगी ने दर्शकों को गुदगुदाया था, वहीं इसका सीक्वल उस पागलपन को और आगे ले जाता है। अब उनका किरदार एक मल्टीकल्चर शादी के जाल में फंसता है, जहां हालात सिर्फ मज़ेदार ही नहीं बल्कि भावनाओं से भी भरे होते हैं।फिल्म का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है और इसका निर्माण रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास मस्तान ने वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के बैनर तले अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के साथ मिलकर किया है। हंसी, संगीत, रोमांस और पूरे परिवार के साथ देखने लायक मनोरंजन से भरपूर यह फिल्म साल की सबसे बड़ी एंटरटेनर फिल्मों में से एक बनने जा रही है। किस किसको प्यार करूं 2, 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है।

बिहार भवन में डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट और श्रीसिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार शाम बिहार भवन में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का प्रारंभ परिषद सचिव पं. राजगुरु द्वारा ईश वंदना से हुआ। सभी सदस्यों ने पुष्प अर्पित किए। ट्रस्ट सचिव राजेश्वर सिंह ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष हरिश्चंद्र झा ने की। उन्होंने कहा कि राजेंद्र बाबू का जीवन सादगीपूर्ण था। मैनेजिंग ट्रस्टी राम लखन सिंह, उदय कुमार, मोहन झा, प्रवीण उपाध्याय ने भी विचार व्यक्त किए। परिषद अध्यक्ष एसके उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस कार्यक्रम में रामकिंकर सिंह, दीपेश कुमार, राजा सिंह, मिंटू दुबे, रवि कुमार, अजीत पोद्दार, अभिषेक कुमार, अमित झा, हीरा झा, राहुल कुमार और गणमान्य लोग मौजूद थे। पं. राजगुरु ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम के आखिर में जरूरतमंद लोगों को कंबलों का वितरण किया गया।

दीप प्रज्वलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में गुरुवार को शहर के बसवेश्वर नगर में महेंद्र मुणोत ने राइज़ अबोव यूथ ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने मुख्य अतिथि के तौर पर ट्रस्ट के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि निस्वार्थ भावना से सेवा करके ही लोगों के दिलों में अपना स्थान बना पाएंगे। राष्ट्रसेवा के लिए अधिकारी या नेता बनना जरूरी नहीं है। हम अपने कर्तव्यों का सही तरह से पालन करें तो यह भी राष्ट्रसेवा है।

चीतों को उनकी पूरी भव्यता में देखने के लिए भारत आएं : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'प्रोजेक्ट चीता' खोई हुई पारिस्थितिक विरासत को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है और उन्होंने वन्यजीव प्रेमियों से आग्रह किया कि वे चीतों को उनकी पूरी भव्यता में देखने के लिए भारत आएं। अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने सभी वन्यजीव प्रेमियों और संरक्षणवादियों को शुभकामनाएं दीं, जो पृथ्वी के सबसे विलक्षण जीवों में से एक चीता की रक्षा के लिए समर्पित हैं।

मोदी ने कहा, ''तीन साल पहले हमारी सरकार ने इस शानदार पशु की सुरक्षा और उस पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट चीता शुरू किया था जिसमें यह सचमुच फल-फूल सके। यह खोई हुई पारिस्थितिक विरासत को पुनर्जीवित करने और हमारी जैव विविधता को मजबूत करने का भी एक प्रयास था।'' उन्होंने कहा कि भारत को गर्व है कि वह कई चीतों का घर है और बड़ी संख्या में चीते भारतीय धरती पर पैदा हुए हैं, उनमें से कई अब कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर अभयारण्य में पनप रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''चीता पर्यटन की लोकप्रियता में भी वृद्धि देखकर खुशी हो रही है। मैं दुनिया भर के वन्यजीव प्रेमियों को भारत आने और चीते को उसकी पूरी भव्यता में देखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''चीता संरक्षण में हमारी प्रगति केवल हमारे लोगों विशेषकर हमारे समर्पित 'चीता मित्रों' के सामूहिक समर्थन से ही संभव हो पाई है।''

मोदी ने कहा, ''वन्यजीवों की रक्षा करना और प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर रहना भारत के सभ्यतागत लोकाचार का अभिन्न अंग है और हम आज इन प्रयासों में उस भावना को जीवित देखते हैं।''

अधिकारियों ने बताया कि चीते को उसके प्राकृतिक आवास में पुनः स्थापित करने के भारत के महत्वाकांक्षी प्रयास एक आशाजनक चरण में प्रवेश कर गए हैं, तथा जनसंख्या वृद्धि, आवास विस्तार और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में कुल 20 चीते लाए गए। इनमें सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ और फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते लाए गए।

अधिकारियों ने बताया कि चीतों को फिर से लाए जाने पर कई लोगों को संदेह था लेकिन अब ये संदेह गलत साबित हुए हैं।

दिसंबर 2025 में अभी तक भारत में 32 चीतों की एक समृद्ध आबादी है, जिनमें से 21 भारत में जन्मे शावक हैं।

रैली

धर्मशाला में गुरुवार को हिमाचल प्रदेश सरकार के खिलाफ एक रैली के दौरान एक भाजपा कार्यकर्ता पार्टी का झंडा लहराते हुए।

पाकिस्तान में 2025 में आतंकी घटनाओं में 25 फीसदी वृद्धि हुई : थिंक टैंक

कराची/भाषा। आतंकवाद से जूझ रहे पाकिस्तान में 2025 में हिंसा संबंधी घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा खैबर पख्तूनख्वा सबसे बुरी तरह प्रभावित प्रांत रहा। यहां एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। इस्लामाबाद स्थित 'सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस)' के अनुसार, इस साल जनवरी से नवंबर तक हिंसक घटनाओं में 3,187 मौतें हुई जिनमें 96 प्रतिशत से अधिक मौतें खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुईं तथा 92 प्रतिशत ऐसी घटनाएं भी इन्हीं दोनों प्रांतों की हैं।

मंत्र, मणि और औषधि से असंभव भी हो जाता है संभव : डॉ. वरुण मुनि महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डॉ. वरुण मुनिजी महाराज ने कहा है कि आध्यात्मिक जगत में मंत्र, मणि और औषधि का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है। जो कार्य तन, मन और धन की शक्तियां नहीं कर पातीं, वह मंत्र, मणि और औषधि के प्रभाव से संभव हो जाता है। उन्होंने यह उद्बोधन पंकज मुनिजी महाराज के सान्निध्य में आयोजित अईनूर धर्मसभा में व्यक्त किए।ङ्ङगुरु भगवंतों की धर्मयात्रा बेंगलूरु से पुणे की ओर गतिमान है। गुरुदेव सुशीलधाम से चिकपेट होते हुए नाइस रोड स्थित संदीप अग्रवाल के निवास स्थान पर पधारे, जहां समस्त परिवार ने उनका स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद गुरुदेव ओमकार हिल आश्रम पहुंचे, जहां स्वामी मधुसूदनजी महाराज के शिष्यों ने उनका विशेष अभिनंदन किया।

गुरुदेव ने महाराज द्वारा स्थापित 12 ज्योतिर्लिंग, मां भगवती जगदंबा शक्ति साधना स्थल तथा सर्वधर्म समन्वय धर्मस्थल के दर्शन कर तीर्थ की महिमा का अवलोकन किया। प्रवास के बाद गुरुदेव तुलसी चेतना केंद्र पधारे, जहां विक्रमजी तथा सुशीलजी से मंगलमय भेंट वार्ता हुई। यहां गुरुदेव ने जप, ध्यान और साधना संपन्न हुई । रात्रि विश्राम पश्चात श्रीकुंथुनाथ जैन मंदिर, सीरा में गुरुदेव ने जप-साधना कर मंगल आशीष प्रदान किया। वहां से प्रस्थान कर गुरु भगवंत गुरुजंट पंजाबी ढाबा पधारे। यहां सरदारजी का पूरा परिवार पिछले 30 वर्षों से साधु-संतों की आहार-विहार सेवा में समर्पित है। उन्होंने कहा कि साधु-संत पधारें तो हमें सूचना देने की भी जरूरत नहीं है। यह स्थान सदा आपका ही है।ङ्ङवहां से गुरुदेव नित्यानंद आश्रम पहुंचे, जहां स्वामीजी के साथ विभिन्न आध्यात्मिक विषयों पर धर्मचर्चा हुई। इसके बाद साईं मंदिर पहुंचे। गुरुदेव होललगिरि ग्राम स्थित विद्यालय में पधारे, जहां रात्रि विश्राम रहा।

चेतन भाई एवं परिवार ने सेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। यात्रा क्रम में गुरु भगवंत चन्नागिरि, शिमोगा होते हुए चिंतामणि श्रीपारसनाथ भगवान के शासन की जाग्रत देवी पद्मावती शक्ति पीठ हुमचा पद्मावती धाम पहुंचने की मंगल भावना रखते हैं। शुक्रवार को प्रवास की संभावना व्यक्त की गई है। वहां से गुरु भगवंत पुणे प्रवास की ओर प्रस्थान करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नौसेना दिवस

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत नौसेना दिवस समारोह में भाग लेने के लिए हेलीकॉप्टर से कारवार नेवल बेस पहुंचे। वहां जिला कलेक्टर लक्ष्मी प्रिया और रियर एडमिरल विक्रम मेनन ने उनका स्वागत किया।

अरुणाचलेश्वर शिव मंदिर में तिरुकार्तिक महादीपम महोत्सव मनाया गया

वेलूर /दक्षिण भारत । तिरुवन्नामलै स्थित अरुणाचलेश्वर शिव मंदिर में बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर तिरुकार्तिक महादीपम महोत्सव धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। बरणी कार्तिक के शुभ मुहूर्त में सुबह 5 बजे पुजारियों द्वारा भगवान अन्नामलैयार और देवी उन्नामलै अम्मन की विशेष पूजा-अर्चना कर दीप प्रज्वलित किए गए। दिनभर लाखों श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन कर पुण्यलाभ अर्जित किया। सूर्यास्त होते ही 2,268 फीट ऊंचे अन्नामलैयार पर्वत पर विधिवत पूजा-अर्चना एवं महाआरती के बाद महादीपम प्रज्वलित किया गया। पर्वत शिखर पर दीप प्रज्वलन के साथ ही पूरे तमिलनाडु के मंदिरों एवं घरों में भी दीप जलाकर भक्तों ने आराधना की। महादीपम महोत्सव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। लगभग 15,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

समीक्षा याचिका: इस्कॉन बेंगलूरु ने अदालती मामले पर प्रतिक्रिया दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इस्कॉन बेंगलूरु ने एक अदालती मामले पर प्रतिक्रिया दी है। उसने कहा कि उसे समाचारों से यह जानकारी मिली है कि उच्चतम न्यायालय ने 16 मई के उस फ़ैसले की समीक्षा के लिए दायर याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की है, जिसमें उसके (इस्कॉन बेंगलूरु) पक्ष में इस्कॉन हरे कृष्णा हिल मंदिर के दावे का निर्णय दिया गया था।

उसने कहा, 'हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि उच्चतम न्यायालय ने सिर्फ इस्कॉन बेंगलूरु को नोटिस जारी किया है। 16 मई के अपने फैसले की समीक्षा करने का निर्णय उच्चतम न्यायालय फरवरी-2026 में अगली सुनवाई में करेगा। यह कहना कि उच्चतम न्यायालय ने समीक्षा करने का निर्णय ले लिया है या कि उसने समीक्षा याचिका को स्वीकार कर लिया है, गलत रिपोर्टिंग होगी।'ङ्ङउसने कहा कि इस्कॉन मुंबई के सदस्यों ने गलत रूप से यह दावा किया है कि प्रसिद्ध अक्षय पात्र कार्यक्रम उनका प्रमुख प्रोजेक्ट है। इस्कॉन बेंगलूरु समूह के मंदिरों और अक्षय पात्र फाउंडेशन के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने कहा, 'हमें विश्वास है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा 16 मई को इस्कॉन बेंगलूरु के पक्ष में दिया गया निर्णय पूर्णतः सही है और रिकॉर्ड पर इसमें कोई त्रुटि नहीं है। इसलिए हमें भरोसा है कि समीक्षा याचिका को फरवरी में होने वाली अगली सुनवाई में खारिज किया जाएगा, जब इसकी स्वीकार्यता पर विचार किया जाएगा।'

'पुण्य से बढ़ती है लक्ष्मी, दान से होता है जीवन धन्य'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसुर। विहाररत साध्वीवृंद ने फतेह स्टोन फैक्ट्री में श्रावकजनों को संबोधित करते हुए कहा कि दान की महिमा अपरंपार है। जो धन को छोड़ देता है, वह दाता कहलाता है। जो छोड़ नहीं पाता, वह मम्मण कहलाता है। हमारा लक्ष्य दानवीर बनना होना चाहिए। धन के प्रति आसक्ति के कारण व्यक्ति दान देने से वंचित हो जाता है। यह उसकी दुर्गति का कारण भी बन जाता है। दान देने से लक्ष्मी बढ़ती है। हम किसी भी प्रकार के पुण्य का सहारा लेकर अपने जीवन को धन्य कर सकते हैं।

उन्होंने विभिन्न कथाओं के माध्यम से बताया कि किस तरह दान देने के भाव बनते हैं। श्रावक के चार धर्म- दान, शील, तप ओर भाव के माध्यम से भी दान की महिमा समझ सकते हैं। दीपावली पर हम बही-खाता लिखते समय शालिभद्र वाली ऋद्धि की कामना करते हैं। मम्मण सेठ वाली ऋद्धि नहीं मांगते हैं। ऐसी ऋद्धि की कामना आसक्ति रहित दान से ही पूर्ण हो सकती है।ङ्ङसाध्वीवृंद ने कहा कि धन के रूप में परिग्रह करना दुर्गति का कारण बनता है। धन मेहनत से नहीं, पुण्य से कमाया जाता है।

यदि हमें धन की प्राप्ति हुई और सुख-सुविधाएं मिली हैं तो वे पुण्य से मिली हैं। यदि भविष्य में भी धन की प्राप्ति करना चाहते हैं तो पुण्य को बढ़ाना होगा। पुण्य से लेकर पाप करने लगे तो पुण्य नाराज हो जाएगा और सुख-समृद्धि चली जाएगी। हम चाहते हैं कि अपना राज चलता रहे और कोई हमसे नाराज न हो तो अपने पुण्य को खुश रखें।ङ्ङसाध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि घर से मांगने वाला कभी खाली हाथ नहीं लौटे। यदि वह खाली हाथ जाएगा तो हमें प्रत्यक्ष लगेगा कि कुछ नहीं ले गया, लेकिन वह हमारे पुण्य लेकर जाएगा। देने से कभी धन कम नहीं होता, बल्कि पुण्य की अभिवृद्धि होने से लक्ष्मी बढ़ती जाती है। गौतम देना सीख गए तो लब्धि संपन्न बन गए। हमें भी गौतम जैसा लब्धि संपन्न बनना है तो दान देना सीखना होगा। विहार सेवा का लाभ निखिल, नम्रता कुंकुलोल, कीर्ति जैन, मनीषा, लिचि कुंकुलोल, नितेश ओसवाल, वीरेंद्र शर्मा, रमेश बोहरा, पुष्पराज बोहरा ने लिया।

आचार्य तुलसी के प्रति अभ्यर्थना कार्यशाला का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल हनुमंत नगर द्वारा आचार्य तुलसी के प्रति अभ्यर्थना कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता तातेड ने सबका स्वागत किया। साध्वी श्रीसंयमलताजी ठाणा 4 का सान्निध्य मिला। साध्वीश्री ने आचार्य तुलसी के बारे में बताते हुए कहा कि कैसे उन्होंने रूढ़िवादियों से आगे निकलकर महिलाओं को मंच प्रदान किया था। नई चुनौतियों का सामना करने और समाज के विरोध के बावजूद जो संकल्प लिया, वह पूरा कर दिखाया था। उसके फलस्वरूप आज महिला शक्ति हर क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रही है।ङ्ङआचार्यश्री के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तप और जप करने की प्रेरणा दी गई। मंडल की बहनों ने मंगलाचरण किया। साध्वी मनीषाप्रभाजी ने आचार्य तुलसी के अवदानों के बारे में बताया। आभार पपीता ने और संचालन मीनाक्षी बोथरा ने किया। निवर्तमान अध्यक्षा सरोज सहित 24 बहनों की उपस्थिति रही।

जीवन में शांति के लिए अपनी इच्छाओं को नियंत्रण में रखें : नरेश मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रीश्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में नरेश मुनिजी ने कहा कि जब तक शक्ति, सामर्थ्य, स्वास्थ्य और सक्षमता अपने वश में हैं, तब तक शुभ कार्य कर लेने चाहिएं। कल और काल पर अपना वर्चस्व नहीं है। बाद में तो सिर्फ पछतावा हाथ में आने वाला है।

नरेश मुनिजी ने कहा कि हम क्रिया में न उलझें। क्रिया मात्र साधन है। साधना तो भावों से होती है। भाव से ही हम शुभ और अशुभ कर्मों का बंध करते हैं। भाव पर नियंत्रण हो तो भव नियंत्रण हो सकते हैं।

साधना का असर जीवन में दिखना चाहिए। जीवन में शांति रहे, इसके लिए हम अपनी इच्छाओं को नियंत्रण में रखें। नवकार मंत्र हमें इच्छाओं का अंत करने का संदेश देता है, इसलिए इसे महामंत्र कहते हैं। इच्छाएं मंद होगी तो जीवन में शांति रहेगी

प्रवचन का प्रारंभ करते हुए शालीभद्र मुनि ने कहा कि हम भगवान को मानते हैं तो भगवान की भी मानें। पल-पल हमारी उम्र बीत रही है। अपनी मंजिल दूर है। पाप भार की गठरी को फेंक कर हल्के होंगे तो सफर आसान होगा। क्रोध-मान से मुक्त होकर माया और लोभ से स्वयं को बचा लेंगे तो मानव भव सार्थक हो जाएगा। महावीर मेहता ने 25 जनवरी को लवेश सिंघी के दीक्षा प्रसंग का अलसूर संघ को आमंत्रण दिया है। प्रवचन में उपस्थित मुमुक्षु लवेश सिंघी की वीर माता रचना सिंघी और भ्राता जितेश सिंघी का अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने मुनि वृंद का संघ की ओर से स्वागत किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**